▪ चैत्र शुक्ल - 30 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 254 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 12-04-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 माफी कभी नहीं मांगूंगा, न ही कभी मांगी है : आहूजा

6 राणा के बहाने पाकिस्तान का पूरा आतंकी सच उजागर हो

7 बच्चों के अधिकारों और जिम्मेदार डिजिटल पेरेंटिंग के लिए अभियान चलाएंगी नेहा धूपिया

फर्स्ट टेक

लंबी दूरी के ग्लाइड बम गौरव का सफलतापूर्वक परीक्षण

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सुखोई विमान के माध्यम से लंबी दूरी के ग्लाइड बम गौरव का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। गौरव 1,000 किलोग्राम वर्ग का ग्लाइड बम है जिसे डीआरडीओ ने स्वदेशी तौर पर डिजाइन और विकसित किया है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि आठ से 10 अप्रैल तक किए गए परीक्षणों में लगभग 100 किलोमीटर की दूरी तक सटीक निशाना लगाने में सफलता मिली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गौरव के सफल विकास परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायुसेना और संबंधित उद्योग भागीदारों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि लंबी दूरी के ग्लाइड बम के विकास से सशस्त्र बलों की क्षमताओं में काफी वृद्धि होगी। मंत्रालय ने कहा, डीआरडीओ ने आठ से 10 अप्रैल के बीच सुखोई-30 एमकेआई विमान के जरिये लंबी दूरी के ग्लाइड बम (एलआरजीबी) 'गौरव' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

अपने और पराये की मानसिकता है दुनिया के कई हिस्सों में जारी युद्ध और संघर्ष की जड़

▪ गरीब और वंचित के उत्थान का संकल्प और 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र ही भारत सरकार की नीति और निष्ठा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अशोकनगर (मप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अपने और पराए की मानसिकता को दुनिया के कई हिस्सों में जारी युद्ध और संघर्ष की जड़ करार दिया और कहा कि इसका समाधान अद्वैत के विचार में निहित है।

मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले के ईसागढ़ तहसील स्थित आनंदपुर धाम के गुरु जी महाराज मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि गरीब और वंचित के उत्थान का संकल्प और 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र ही भारत सरकार की नीति और निष्ठा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में भौतिक उन्नति के बीच मानवता के लिए आज युद्ध, संघर्ष और मानवीय मूल्य से जुड़ी कई बड़ी चिंताएं भी सामने हैं। उन्होंने कहा, ''इन चिंताओं और इन चुनौतियों की जड़ में है अपने और पराए की मानसिकता। वह मानसिकता, जो मानव को मानव से दूर करती है। आज विश्व भी सोच रहा है इनका समाधान कहां मिलेगा? इनका समाधान

मिलेगा, अद्वैत के विचार में।'' उन्होंने कहा, ''अद्वैत यानी जहां कोई द्वैत नहीं है। यानी जीव मात्र में एक ही ईश्वर को देखने का विचार। इससे भी आगे संपूर्ण सृष्टि को ईश्वर का स्वरूप देखने की सोच ही अद्वैत है। इसी सिद्धांत को... जो तू है, सो मैं हूं। इतनी सुंदर बात है। ये विचार मेरे और तुम्हारे का भेद खत्म कर देता है। और यह विचार सब मान लें तो सारे झगड़े ही खत्म हो जाएं।'' प्रधानमंत्री ने भारत को ऋषियों, मनीषियों और संतों की धरती करार दिया और कहा कि जब-जब हमारा भारत, हमारा समाज किसी मुश्किल दौर से गुजरता है तो कोई न कोई ऋषि या मनीषी इस धरती पर अवतरित होकर समाज को नई दिशा देता है। उन्होंने कहा, ''हम पूज्य स्वामी अद्वैतानन्द महाराज के जीवन में भी इसकी झलक देख सकते हैं। एक समय था, जब आदि शंकराचार्य जैसे आचार्यों ने अद्वैत दर्शन के गहरे ज्ञान की व्यख्या की थी। इसी परंपरा में पूज्य अद्वैतानन्द जी महाराज ने भारत के जन सामान्य तक इसे पहुंचाने का बीड़ा उठाया। महाराज जी ने अद्वैत के ज्ञान को हम सभी के लिए और सरल बनाया, उसे सामान्य जन के लिए और सुलभ कर दिया।''

जिले के ईसागढ़ तहसील के आनंदपुर गांव में स्थित यह धाम परमहंस अद्वैतानन्द महाराज का समाधि स्थल और अद्वैत मठ का मुख्य आश्रम है। यह अशोकनगर जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर और भोपाल से करीब 215 किलोमीटर दूर है।

मोदी ने कहा, ''आनंदपुर धाम लोगों को मुफ्त इलाज मुहैया करा रहा है, यहां आधुनिक गोशाला है, नई पीढ़ी के लिए स्कूल हैं और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में यह सक्रिय है। सेवा की यह भावना सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज गरीब व्यक्ति भोजन की चिंता से मुक्त है, आयुष्मान योजना के कारण इलाज, जल जीवन मिशन के तहत पानी और पीएम आवास योजना के तहत घर आदि मिल रहा है।'' उन्होंने कहा, ''गरीब और वंचित के उत्थान का संकल्प...'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र... सेवा की ये भावना...आज सरकार की नीति भी है और निष्ठा भी है।''

तमिलनाडु चुनाव के लिए भाजपा से अन्नाद्रमुक ने हाथ मिलाया

राज्य स्तर पर पलानीस्वामी करेंगे नेतृत्व : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के लिये भारतीय जनता पार्टी एवं राज्य विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने शुक्रवार को गठबंधन की घोषणा की। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऐलान किया कि प्रदेश में 2026 का विधानसभा चुनाव अन्नाद्रमुक अध्यक्ष एडप्पादि के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़ा जायेगा।

अलग होने के करीब दो साल बाद दोनों पार्टियों के बीच फिर से गठबंधन होने पर शाह ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य स्तर पर पलानीस्वामी का नेतृत्व होगा। शाह ने यहां पलानीस्वामी और प्रदेश भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष के अन्नामलाई के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, अन्नाद्रमुक एवं भाजपा ने अगला (साल) चुनाव (साथ) लड़ने का फैसला किया है...1998 से, अन्नाद्रमुक पार्टी भाजपा गठबंधन का हिस्सा रही है(अलग अलग समय पर)। प्रधानमंत्री मोदी और दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता ने केंद्र-राज्य संबंधों के लिए काम किया था।'' उन्होंने कहा, हम एडप्पादी पलानीस्वामी के नेतृत्व में मिलकर सरकार बनाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि राजग के जीतने पर यह गठबंधन सरकार होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि राजग को ठोस जनादेश मिलेगा और वह सरकार बनाएगा। कुछ मुद्दों पर अन्नाद्रमुक के अलग-अलग रुख पर शाह ने कहा कि बैठकर चर्चा की जाएगी और जरूरत पड़ने पर न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाया जाएगा। उन्होंने राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक की आलोचना की और आरोप लगाया कि वह सनातन धर्म, तीन भाषा नीति और परिसीमन जैसे मुद्दों को केवल महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान हटाने के इरादे से उठा रही है। शाह ने कहा कि लोग 'कई घोटालों' पर सत्तारूढ़ सरकार से जवाब मांग रहे हैं और वे वास्तविक मुद्दों पर वोट करेंगे।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जेल और बेल

नेताओं को प्रिय रहा,
दो स्थानों का मेल।
या तो संसद में रहें,
या फिर जाएं जेल।
इनकी किस्मत है गजब,
अद्भुत इनका खेल।
छल बल या कल से सदा,
ले लेते झट बेल।।

इतिहास मिटाना चाहते हैं भाजपा व आरएसएस : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक फिल्म से जुड़े विवाद का हवाला देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) हर कदम पर दलित और बहुजन इतिहास को मिटाना चाहते हैं। महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले के जीवन पर आधारित फिल्म 'फुले' इन दिनों सुर्खियों में है। फिल्म में अभिनेता प्रतीक गांधी ने महात्मा फुले की और अभिनेत्री पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले की भूमिका निभायी है।

राहुल गांधी ने महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा-आरएसएस के नेता एक तरफ फुले जी को दिखावटी नमन करते हैं और दूसरी तरफ उनके जीवन पर बनी फिल्म को सेंसर कर रहे। महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले जी ने जातिवाद के खिलाफ लड़ाई में पूरा जीवन समर्पित कर दिया, मगर सरकार उस संघर्ष और उसके ऐतिहासिक तथ्यों को पर्दे पर नहीं आने देना चाहती।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस हर कदम पर दलित-बहुजन इतिहास मिटाना चाहते हैं, ताकि जातीय भेदभाव और अन्याय की असली सच्चाई सामने नहीं आ सके।

26/11 की तरह

तहव्वुर राणा ने अन्य भारतीय शहरों को निशाना बनाने की साजिश रची थी : एनआईए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने कहा है कि आरोपी तहव्वुर राणा ने 26/11 के मुंबई हमलों की तरह ही कई अन्य भारतीय शहरों को भी निशाना बनाने के लिए साजिश रची थी। एक सूत्र के अनुसार, माना जा रहा है कि एनआईए ने विशेष न्यायाधीश से कहा, ''उसकी (राणा की) लंबी हिरासत व्यापक पूछताछ के लिहाज से आवश्यक है, जिसका उद्देश्य साजिश की गहरी परतों को उजागर करना है। हमें संदेह है कि मुंबई हमलों में इस्तेमाल की गई चालों को अन्य शहरों में भी अंजाम देने की साजिश थी, जिसके बाद जांचकर्ताओं ने यह जांच की कि क्या इसी तरह की साजिश कहीं और भी रची गई थी।'' राणा को बृहस्पतिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत लाया गया। दिल्ली की एक अदालत को पिछले दिनों अमेरिका से राणा के प्रत्यर्पण से पहले मुंबई हमलों के मुकदमे के रिकॉर्ड मिल गए थे। एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

एनआईए ने कहा कि आपराधिक षड्यंत्र के तहत आरोपी संख्या एक डेविड कोलमैन हेडली ने अपनी भारत यात्रा से पहले पूरी साजिश पर राणा से बात की थी। एनआईए ने अदालत को बताया कि संभावित चुनौतियों की आशंका से हेडली ने राणा को एक ईमेल भेजा था जिसमें उसके सामान और परिसंपत्तियों का ब्योरा था। एजेंसी ने साथ ही बताया कि हेडली ने राणा को इस साजिश में पाकिस्तानी नागरिकों इलियास कश्मीरी और अब्दुर रहमान की संलिप्तता के बारे में भी बताया था।

खुशी है कि 26/11 हमले के पीड़ितों के लिए न्याय का समय आ गया है : अमेरिकी विदेश मंत्री

न्यूयॉर्क/ वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शुक्रवार को कहा कि भारत और अमेरिका 26/11 मुंबई हमलों के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए लंबे समय से प्रयास करते आ रहे हैं और तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के साथ ही वह दिन आ गया है। रूबियो ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमने तहव्वुर हुसैन राणा को भारत प्रत्यर्पित किया है, ताकि 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों की साजिश में भूमिका के लिए उसके खिलाफ मुकदमा चलाया जा सके। हम उन हमलों में जान गंवाने वाले छह अमेरिकी नागरिकों समेत 166 लोगों को न्याय दिलाने के लिए भारत के साथ मिलकर लंबे समय से प्रयास कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि वह दिन आ गया है।

महाराष्ट्र ने रूस के रोसाटॉम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र ने शुक्रवार को रूस की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी रोसाटॉम के साथ थोरियम ईंधन पर आधारित एक छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर के विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) और रोसाटॉम की 'थोरियम ईंधन के साथ छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर' पहल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य महाराष्ट्र में संयुक्त रूप से एक थोरियम रिएक्टर विकसित करना, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के सुरक्षा मानकों के अनुसार थोरियम रिएक्टरों का व्यावसायीकरण करना और 'मेक इन महाराष्ट्र' पहल के तहत थोरियम रिएक्टरों के लिए एक 'असेंबली लाइन' (कलपुर्जों को जोड़ने की व्यवस्था) स्थापित करना है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) और रूस के सरकारी परमाणु ऊर्जा निगम 'रोसाटॉम' के बीच थोरियम ईंधन पर आधारित एक छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर के विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान बैठक की अध्यक्षता की।''

राणा को लाने के लिए केंद्र सरकार को बधाई, लेकिन काले धन का क्या हुआः अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने 26/11 मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा के प्रत्यर्पण को लेकर शुक्रवार को केंद्र सरकार को बधाई दी, लेकिन साथ ही काला धन वापस लाने के वादे को लेकर भाजपा पर कटाक्ष भी किया। राणा के अमेरिका से भारत प्रत्यर्पण के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं उन्हें बधाई देता हूं कि वे कम से कम किसी को तो वापस लाए। वे काला धन वापस लाने वाले थे और सभी को 15 लाख रुपए देने वाले थे, उसका क्या हुआ? इससे पहले दिन में पहले वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर, नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख ने कहा, यह अच्छी बात है। उन्हें विरोध करने दें। यह एक स्वतंत्र देश है। वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर पार्टी के रुख के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि पार्टी इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय जाएगी।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.87 अरब डॉलर बढ़कर 676.27 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 10.87 अरब डॉलर बढ़कर 676.27 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 6.59 अरब डॉलर बढ़कर 665.39 अरब डॉलर हो गया था। यह लगातार पांचवां सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में पुनर्मूल्यांकन और रुपए में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप के कारण इसमें गिरावट आई थी। सितंबर, 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, चार अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का महत्वपूर्ण हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 9.1 अरब डॉलर बढ़कर 574.09 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

जम्मू हवाई अड्डे पर निगरानी कर रहा यूएवी दुर्घटनाग्रस्त, सैनिक घायल

जम्मू/भाषा। जम्मू के हवाई अड्डे पर 'मानवरहित निगरानी यान' (यूएवी) हवाई अड्डा क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे एक सैनिक घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस यूएवी को निगरानी के लिए तैनात किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब यूएवी नियमित उड़ान भरने के बाद हवाई अड्डे पर उतर रहा था। उन्होंने बताया कि घायल सैनिक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात यूएवी क्षेत्र के अंदर स्थित एक टावर से टकराकर जमीन पर गिर गया। तकनीकी हवाई अड्डा जम्मू हवाई अड्डे का हिस्सा है, जिसे भारतीय वायु सेना की हेलिकॉप्टर इकाई के संचालन के लिए नामित किया गया है।

सीतारमण का ऑस्ट्रिया की कंपनियों से भारत के उभरते क्षेत्रों में निवेश का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को ऑस्ट्रियाई कंपनियों से भारत में निवेश करने का आग्रह किया क्योंकि यह नए और उभरते क्षेत्रों में कई अवसर प्रदान करता है।

ऑस्ट्रिया की यात्रा पर गयीं सीतारमण ने राजधानी वियना में भारत-ऑस्ट्रिया व्यापार गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ऑस्ट्रियाई कंपनियों को भारत द्वारा प्रदान किए जाने वाले कई अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। भारत ने आर्थिक वृद्धि और समानता में तेजी लाने के साथ कारोबारी सुगमता को सुनिश्चित करने के लिए किए गए सुधारों की वजह से जबर्दस्त प्रगति की है। वित्त मंत्री ने कहा, मैंने हरित हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और नवाचार में उभरते जैसे अवसरों का जिक्र किया। भारत एशिया और वैश्विक दक्षिण के लिए एक उत्कृष्ट प्रवेश द्वार है। सीतारमण ने ऑस्ट्रिया के व्यापार प्रतिनिधियों से कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत आर्थिक और वाणिज्यिक साझेदारी की संभावनाएं बहुत उज्ज्वल हैं। उन्होंने कहा कि कई ऑस्ट्रियाई कंपनियों ने भारत में उत्कृष्ट डिजिटल और आईटी प्रतिभा का लाभ उठाने के लिए भारत में क्षमता केंद्र स्थापित किए हैं। वित्त मंत्री ने पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा को याद करते हुए कहा कि यह भारत-ऑस्ट्रिया साझेदारी में, खासकर आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों को और अधिक ऊंचाई पर ले जाने में एक मील का पत्थर था। उन्होंने ऑस्ट्रियाई अर्थव्यवस्था मंत्री और वित्त मंत्री के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान वित्तीय, आर्थिक, व्यापार और निवेश क्षेत्रों में भारत-ऑस्ट्रिया साझेदारी से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। दोनों देश पारस्परिक लाभ के लिए अपनी पूरक क्षमताओं का लाभ उठाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रिया की क्षमताओं और जुड़ाव की संभावनाओं के आधार पर हमने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को भी चिह्नित किया है। इनमें हरित और डिजिटल प्रौद्योगिकियां, बुनियादी ढांचा, नवीकरणीय ऊर्जा, जल प्रबंधन, जीवन विज्ञान, साथ ही इलेक्ट्रिक परिवहन और परिवहन शामिल हैं।

पिछड़ी जातियों को अपमान से बचाने के लिए कानून लाएंगे : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एलुरु/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को वादा किया कि तेदेपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार पिछड़े वर्गों को अपमान से बचाने के लिए एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की तर्ज पर पिछड़ा वर्ग (बीसी) संरक्षण अधिनियम लागू करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भेदभाव अब भी मौजूद है और बीसी संरक्षण अधिनियम जैसे कानून की आवश्यकता है। नायडू ने एलुरु जिले के वडलमनु में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''भेदभाव है। इसीलिए एससी/एसटी अत्याचार अधिनियम है और आने वाले दिनों में पिछड़े वर्गों को अपमान से बचाने के लिए यह सरकार बीसी संरक्षण अधिनियम लाने की जिम्मेदारी लेगी।'' मुख्यमंत्री के मुताबिक, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के सत्ता में आने तक पिछड़े वर्गों के लिए कोई न्याय नहीं था।

उन्होंने कहा कि तेदेपा ही एकमात्र पार्टी है, जो पिछड़े वर्गों के साथ न्याय कर रही है। नायडू ने पिछड़ी जातियों को तेदेपा का आधार बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार इन समुदायों को अन्य समुदायों के उन्नयन का प्रयास करेगी। इस बीच, तेदेपा प्रमुख ने कहा कि सोशल मीडिया अपराधियों की शरणस्थली बन गयी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई सोशल मीडिया की आड़ में चरित्र हनन में संलिप्त होगा तो वह उसका ''आखिरी दिन'' होगा।

नियमित तौर पर सीबीआई जांच के निर्देश न दें उच्च न्यायालय : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने एक मामले की जांच सीबीआई को स्थानांतरित करने से संबंधित पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का एक आदेश खारिज कर दिया है और कहा है कि कि ऐसे निर्देश नियमित रूप से पारित नहीं किए जाने चाहिए। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालयों को केवल उन मामलों में सीबीआई से जांच कराने का निर्देश देना चाहिए, जहां प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता हो कि सीबीआई से जांच कराने की आवश्यकता है।

पीठ ने कहा, उच्च न्यायालयों को केवल उन मामलों में सीबीआई जांच का निर्देश देना चाहिए, जहां प्रथम दृष्टया सीबीआई जांच की आवश्यकता प्रतीत होती हो। सीबीआई जांच का निर्देश नियमित तरीके से या कुछ अस्पष्ट आरोपों के आधार पर नहीं दिया जाना चाहिए। न्यायालय ने कहा, बिना किसी निश्चित निष्कर्ष के 'अगर' और 'मगर' जैसे तर्क सीबीआई जैसी एजेंसी को जांच का निर्देश देने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। उच्च न्यायालय के मई 2024 के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर उच्चतम न्यायालय ने यह फैसला दिया है। पीठ ने कहा कि अक्टूबर 2022 में पंचकूला में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने खुद को खुफिया ब्यूरो का महानिरीक्षक (आईजी) बताते हुए शिकायतकर्ता को धमकाया और उसे अपने खाते में 1.49 करोड़ रुपए स्थानांतरित करने के लिए कहा। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने दवाओं का कारोबार करने वाले शिकायतकर्ता को अपने सहयोगियों के साथ काम करने के लिए मजबूर किया और उससे जबरन पैसे वसूले। शिकायतकर्ता ने उच्च न्यायालय से मामले की जांच का जिम्मा राज्य पुलिस से लेकर सीबीआई को सौंपने का अनुरोध किया।

भारत के पास डिजिटल बुनियादी ढांचे को एआई की ताकत से जोड़ने की विशिष्ट स्थितिः नीलेकणि

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस के चेयरमैन और 'आधार' परियोजना के सूत्रधार रहे नंदन नीलेकणि ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपने विशाल डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) को कृत्रिम मेधा (एआई) की ताकत से जोड़ने के लिए विशिष्ट स्थिति में है।

कार्नेगी इंडिया की तरफ से आयोजित वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन में नीलेकणि ने कहा कि एआई को लेकर चर्चाओं का दौर अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच चुका है लेकिन बड़े पैमाने पर इसे बनाने और संचालित करने में वास्तविक चुनौतियां मौजूद हैं। भारत में इस समय विमर्श का केंद्र यह है कि कम लागत पर और जनसंख्या के पैमाने पर जीवन को बेहतर बनाने के लिए एआई का उपयोग किस तरह किया जाए। नीलेकणि ने कहा, एआई डीपीआई को बेहतर बनाता है। हमारे पास जो डिजिटल बुनियादी संरचना है, उसमें एआई का इस्तेमाल हो रहा है और यह डीपीआई को बेहतर बना रहा है। भारत अपने इतिहास के कारण विशिष्ट स्थिति में होगा और यह डीपीआई और एआई को मिलाकर काम करने का एक नया तरीका तैयार करेगा। भारत में एआई को लेकर रणनीति व्यक्तिगत उपयोग मामलों पर ध्यान केंद्रित करने और यह सुनिश्चित करने की है कि यह सुरक्षित, निष्पक्ष और जिम्मेदार हो। साथ ही नीलेकणि ने सावधान करते हुए कहा कि एआई आसान नहीं है और रातोंरात होने वाला कोई जादू नहीं है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया छत्तीसगढ़ राज्य की पहली सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई का भूमिपूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में 1,143 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली पहली सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई का शुक्रवार को भूमिपूजन किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने आज नवा रायपुर में देश की प्रसिद्ध सेमीकंडक्टर निर्माता कंपनी 'पोलीमैटेक इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लि.' के संयंत्र की आधारशिला रखी। यह कंपनी सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली अग्रणी कंपनियों में से एक है, जो छत्तीसगढ़ में 1,143 करोड़ रुपए की लागत से एक बड़ा कारखाना स्थापित करेगी। डेढ़ लाख वर्ग फुट में बनने वाले इस संयंत्र से 2030 तक सालाना 10 अरब चिप उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है जिनका उपयोग टेलीकॉम, 6जी/7जी, लैपटॉप और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में किया जाएगा। इस संयंत्र की स्थापना से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री साय ने कहा, ''यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है कि छत्तीसगढ़ में पहले सेमीकंडक्टर संयंत्र की स्थापना का भूमिपूजन हुआ है। छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में सेमीकंडक्टर उद्योग को विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं, जिससे निश्चित रूप से कंपनी को यहां निवेश में सफलता मिलेगी। विश्व के जो भी देश विकसित हुए हैं, उन्होंने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मेहनत की है, अनुसंधान किया है और ऐसा वातावरण बनाया है जिससे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में तेजी से प्रगति संभव हो पाई। अब 6जी और 7जी तकनीक भी आ रही है और मुझे खुशी है कि इनके लिए आवश्यक चिप हमारे देश में ही तैयार होंगी, और नवा रायपुर, अटल नगर में हमारे इंजीनियर इन्हें बनाएंगे।'' पिछले वर्ष दिसंबर में दिल्ली में आयोजित एक निवेशक संपर्क कार्यक्रम में राज्य के अधिकारियों की मुलाकात 'पोलीमैटेक' के प्रबंधन से हुई थी और उसी समय कंपनी ने छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई थी।

शुल्क युद्ध के बीच केंद्र ने वैश्विक शुल्क और व्यापार 'हेल्प डेस्क' शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य मंत्रालय शुल्क में बदलाव, आयात में उछाल और निर्यात संबंधी चुनौतियों समेत वैश्विक व्यापार में हो रहे घटनाक्रमों पर पैनी नजर रख रहा है। वाणिज्य मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए कहा कि विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने उभरते व्यापारिक मुद्दों से निपटने में संबंधित लोगों की मदद करने के लिए अलग से 'वैश्विक शुल्क और व्यापार हेल्प डेस्क' शुरू की है।

मंत्रालय ने कहा, उभरते व्यापार परिदृश्य और विभिन्न शुल्क और जवाबी शुल्क उपायों की शुरुआत को देखते हुए, नए निर्यात अवसर और विशिष्ट देशों या उत्पाद क्षेत्रों से आयात दबाव बढ़ सकता है। यह 'हेल्प डेस्क' आयात और निर्यात संबंधी चुनौतियों, आयात में वृद्धि या डंपिंग, एक्जिम (आयात-निर्यात) मंजूरी, लॉजिस्टिक या आपूर्ति शृंखला चुनौतियों, वित्तीय या बैंकिंग मुद्दों और नियामकीय या अनुपालन मुद्दों से संबंधित मुद्दों को देखेगी। यह केंद्र और राज्य सरकारों के अन्य मंत्रालयों/विभागों या एजेंसियों से संबंधित व्यापारिक मुद्दों को भी एकत्रित करेगी, उनका समन्वय करेगी, उनका सहयोग प्राप्त करेगी व संभावित समाधान प्रदान करेगा। अमेरिका ने व्यापारिक साझेदारों पर 10% आयात शुल्क लगाया है, जबकि चीन पर 125% शुल्क लगाया गया है।

बदलाव की प्रतीक्षा में गुजरात, घर-घर तक पहुंचें कांग्रेस के लोग : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अहमदाबाद में पार्टी अधिवेशन संपन्न होने के बाद शुक्रवार को पार्टी की गुजरात इकाई के नेताओं और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि राज्य बदलाव के लिए प्रतीक्षारत है और ऐसे में वे पार्टी के संदेश को घर-घर तक पहुंचाएं।

पार्टी का अधिवेशन बीते नौ अप्रैल को अहमदाबाद में संपन्न हुआ जिसमें सरदार पटेल, राजनीतिक मुद्दों और गुजरात को लेकर तीन प्रस्ताव पारित किए गए। पार्टी ने गुजरात से संबंधित प्रस्ताव में तीन दशक बाद राज्य की सत्ता में वापसी का संकल्प लिया है। खरगे ने वीडियो जारी कर कहा, ''मैं अहमदाबाद एआईसीसी अधिवेशन सफलता-पूर्वक आयोजित करने के लिए देश भर के कांग्रेस के साथियों को बधाई और धन्यवाद देता हूं। विशेष तौर पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस की टीम को मैं बधाई देता हूं, जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों और हमारी सरकार न होने के बावजूद समर्पण के साथ इसे सफल बनाने में रात दिन का श्रम किया। हर कार्यकर्ता को बधाई। कई वर्षों से गुजरात में कांग्रेस विपक्ष में है। फिर भी यह बहुत कामयाब आयोजन रहा। इसका संदेश देश से आए एआईसीसी सदस्य अपने इलाकों में पहुंचाएंगे।'' खरगे ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का आह्वान किया, ''इस अधिवेशन को सफल बनाने वाले गुजरात के साथियों को मै कहना चाहूंगा कि आपमें गजब की संगठन क्षमता है। आप घरों से बाहर निकलिए। बदलाव आपकी प्रतीक्षा में है।''

अभिनेत्री की तरह बोलती हैं कंगना रनौत, उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं: हिमाचल प्रदेश के मंत्री

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने शुक्रवार को कहा कि मंडी लोकसभा सीट से भाजपा की सांसद कंगना रनौत एक अभिनेत्री की तरह बोलती हैं और उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए।

कंगना ने हाल ही में कहा था कि उन्हें मनाली के अपने घर के लिए एक लाख रुपए का बिजली बिल मिला है और उद्योग भी बिजली बिल की मार झेल रहा है, इस बारे में पूछे जाने पर चौहान ने कहा, जब आप बिल का भुगतान नहीं करेंगे, तो यह बढ़ता चला जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा, वह (अपने बयान से) सोशल मीडिया और अखबारों के माध्यम से सनसनी फैलाने की कोशिश कर रही हैं। यह उनकी पुरानी आदत है, लेकिन अब वह एक राजनीतिक हैं और उन्हें चीजों को गंभीरता से लेना चाहिए। कंगना को मंडी संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है और उन्हें अनावश्यक बयानबाजी करने के बजाय लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना चाहिए और उनके मुद्दों को हल करना चाहिए। उन्होंने कहा, वह डायलॉग बोलती रहती हैं और हमें उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए।

कांग्रेस का सरकार पर एफडीआई को लेकर 'धोखे और धमकी' की नीति का आरोप, भाजपा बोलीः विपक्षी दल सच से दूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में ''गिरावट'' को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि सरकार ने अपनी ''भय, धोखा और धमकी'' की नीति के माध्यम से एफडीआई को लगभग समाप्त कर दिया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस आरोप को गुमराह करने वाला करार दिया और कहा कि मुख्य विपक्षी दल आज के भारत से पूरी तरह कटा हुआ है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि अप्रैल-जनवरी 2024-25 में भारत में कुल एफडीआई घटकर 1.4 अरब डॉलर से भी कम रह गया। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अप्रैल-जनवरी 2012-13 में भारत में कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 19 अरब डॉलर था। अप्रैल-जनवरी 2024-25 में भारत में कुल एफडीआई घटकर 1.4 अरब डॉलर से भी कम रह गया।'' उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने घरेलू निवेश (डीआई) को बर्बाद करने के साथ एक अन्य प्रकार के ''एफडीआई ह्वफियर, डिसीट, इंटिमेडेशन (भय, धोखा और धमकी) की नीति के ज़रिए एफडीआई को भी लगभग समाप्त कर दिया है।'' रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा कि यह उपलब्धि मोदी सरकार ने तब हासिल की जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी 2025 में पदभार भी नहीं संभाला था। उन्होंने कहा, ''अमेरिका में जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान, दुनिया भर की कंपनियाँ चीन को छोड़कर एशियाई देशों में निवेश के लिए उत्सुक थीं। वियतनाम, इंडोनेशिया और बांग्लादेश को अरबों डॉलर का निवेश मिला, जबकि भारत पीछे रह गया।'' भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते कहा, ''जयराम रमेश द्वारा एफडीआई डेटा का चुनिंदा तरीके से उपयोग न केवल भ्रामक है बल्कि आर्थिक विफलता को गढ़ने की कांग्रेस की हताशा को उजागर करता है जहां कोई मौजूद नहीं है।'' मालवीय के अनुसार, रमेश ने उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के निराशाजनक रिकॉर्ड को नजरअंदाज करते हुए एफडीआई में संक्षिप्त गिरावट पर प्रकाश डाला है। उन्होंने दावा किया कि संप्रग-1 में वार्षिक एफडीआई औसतन केवल 18.2 अरब डालर था और संप्रग-2 के दौरान यह अधिकतम 38.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया। मालवीय ने कहा कि संप्रग सरकार के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी के रूप में एफडीआई 2.7% से घटकर मात्र 1.7% रह गई थी जो नीतिगत पंगुता, घोटालों और प्रतिकूल व्यापारिक माहौल का प्रत्यक्ष परिणाम था।

अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध गहराने से सोना 6,250 रुपए उछलकर 96 हजार रुपए के पार

नई दिल्ली/भाषा। स्थानीय आभूषण और खुदरा विक्रेताओं की भारी मांग के कारण शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 6,250 रुपए उछलकर 96,450 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका-चीन व्यापार तनाव बढ़ने के बीच मजबूत सुरक्षित निवेश विकल्प के तौर पर मांग बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमत अबतक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी। इससे घरेलू कीमतों को बढ़ावा मिला। बुधवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 90,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चार दिनों की भारी गिरावट के बाद 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में 6,250 रुपए की तेजी आई और यह 96,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर को भी पार कर गया। पिछले दिन यह 89,750 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वैश्विक रुझानों के अनुरूप चांदी की कीमतों में भी 2,300 रुपए का उछाल आया और इसकी कीमत 95,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 93,200 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। महावीर जयंती के अवसर पर बृहस्पतिवार को सर्राफा बाजार बंद थे। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 3,237.39 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया। बाद में, यह 3,222.04 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इसके अलावा, एशियाई बाजार में कॉमेक्स सोना वायदा बढ़कर 3,249.16 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

न्यायालय ने भ्रष्टाचार मामले को लेकर येडीयुरप्पा की याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा द्वारा अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले को फिर से शुरू करने के आदेश के विरुद्ध दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पांच जनवरी, 2021 को बेंगलूरु निवासी शिकायतकर्ता ए आलम पाशा की याचिका को स्वीकार कर लिया और उनकी शिकायत से जुड़े मामले को फिर से शुरू कर दिया। पाशा ने येडीयुरप्पा और पूर्व उद्योग मंत्री मुरुगेश आर निरानी और कर्नाटक उद्योग मित्र के पूर्व प्रबंध निदेशक शिवस्वामी केएस के खिलाफ भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश का आरोप लगाया है।

उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि अभियोजन के लिए पूर्व मंजूरी का अभाव– जिसके कारण पहले की शिकायत को रद्द कर दिया गया – आरोपी के पद छोड़ने के बाद नई शिकायत दर्ज करने पर रोक नहीं लगाता। हालांकि, इसने भ्रष्टाचार के मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी और राज्य सरकार के पूर्व प्रधान सचिव वी पी बालिगर के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दी।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने चार अप्रैल को सुनवाई पूरी की और अपने निर्णय के लिए कई महत्वपूर्ण कानूनी प्रश्न तैयार किए, जिनमें यह भी शामिल था कि क्या न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 156 (3) के तहत जांच का आदेश देने के बाद, क्या भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17 ए के तहत उपयुक्त सरकारी अधिकारियों की पूर्व मंजूरी की आवश्यकता अब भी होगी। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 (3) न्यायिक मजिस्ट्रेट को किसी शिकायत की पुलिस जांच का आदेश देने की अनुमति देती है और इसमें प्राथमिक जांच या प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश शामिल हो सकता है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए कहती है, बिना पूर्व मंजूरी के कोई भी पुलिस अधिकारी इस अधिनियम के तहत किसी लोक सेवक द्वारा कथित तौर पर किए गए किसी भी अपराध की कोई जांच नहीं करेगा, जहां कथित अपराध ऐसे लोक सेवक द्वारा अपने आधिकारिक कार्यों या कर्तव्यों के निर्वहन में की गई किसी सिफारिश या लिए गए निर्णय से संबंधित हो। शीर्ष अदालत ने सात महत्वपूर्ण कानूनी प्रश्न तैयार किए, जो मुख्य रूप से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और दंड प्रक्रिया संहिता के विभिन्न प्रावधानों के बीच परस्पर क्रिया पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो किसी लोक सेवक पर मुकदमा चलाने की पूर्व मंजूरी और न्यायिक मजिस्ट्रेट की निजी शिकायत पर विचार करने, जांच करने और प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश देने की शक्ति के मुद्दे पर हैं।

शीर्ष अदालत ने वरिष्ठ भाजपा नेता के वकील से कहा कि वे दो सप्ताह के भीतर लिखित दलीलें पेश करें। पाशा ने शुरू में एक शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि येडीयुरप्पा और अन्य ने देवनहल्ली औद्योगिक क्षेत्र में उन्हें 26 एकड़ औद्योगिक भूमि आवंटित करने के लिए उच्च स्तरीय मंजूरी समिति की मंजूरी को रद्द करने के लिए दस्तावेज को जाली बनाने की साजिश रची थी। शिकायत में भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों का हवाला दिया गया था, जिसकी जांच शुरू में लोकायुक्त पुलिस द्वारा की गई थी, लेकिन 2013 में उच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत अनिवार्य मंजूरी के अभाव में शिकायत को खारिज कर दिया था। इसके बाद जब आरोपी अधिकारी अपने कार्यालय खाली कर गए, तो पाशा ने 2014 में एक नई शिकायत दर्ज कराई जिसमें तर्क दिया गया कि ए आर अंतुले मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के मद्देनजर अब मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।

चन्नबसव स्वामी को पीएचडी की उपाधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कनकपुरा। राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने बेलगावी में रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में कनकपुरा मंदिर मठ के श्री चन्नाबसव स्वामी को पीएचडी की उपाधि प्रदान की। स्वामीजी ने बचपन से ही उच्च शैक्षणिक स्तर प्राप्त कर लिया था, तथा वे विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने वाले प्रथम व्यक्ति थे, जिन्हें छह स्वर्ण पदक तथा दो पुरस्कार प्राप्त हुए थे। उन्हें 'अठारहवीं शताब्दी की समीक्षा' शीर्षक वाली थीसिस के लिए पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई।

समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एम. सी. सुधाकर, कुलाधिपति प्रो. सी. एम. त्यागराज, कुलाधिपति संतोष कामगौड़ा और अन्य उपस्थित थे।

उनके अध्ययनों में एक नये प्रकार का शोध मॉडल सामने आया है, जो वैज्ञानिक एवं विद्वत्तापूर्ण अंतर्दृष्टि से परिपूर्ण है। यह निबंध भारतीय और पाश्चात्य दर्शन के संदर्भ में कवियों के दर्शन की जांच करने में महत्वपूर्ण है। उनके गुरु प्रो. एस.एम. गंगाधरैया ने कहा कि यह संभवतः बसवादी शरणों के विचारों की शास्त्रीय व्याख्या प्रदान करने का पहला प्रयास है। उन्होंने गणमान्य व्यक्तियों को बधाई दी। मंदिर के वरिष्ठ सदस्य को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

प्रदर्शन

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ धारवाड़ में विरोध प्रदर्शन किया।

उडुप्पी के श्री कृष्ण मठ ने शुचिता बनाए रखने के लिए अपने परिसर में विवाह फोटोशूट पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी। उडुप्पी के श्री कृष्ण मठ की देखरेख करने वाले पर्याय पुट्टीग मठ ने धार्मिक स्थल की शुचिता का हवाला देते हुए मंदिर के रथबीड़ी (कार स्ट्रीट) परिसर में विवाह पूर्व और बाद के फोटोशूट पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। कर्नाटक और केरल के जोड़ो द्वारा विवाह फोटोग्राफी के लिए मंदिर के आसपास के क्षेत्र के चुनाव का चलन बढ़ने के बीच मठ प्रशासन का यह निर्णय सामने आया है।

मंदिर के अधिकारियों के अनुसार, सुबह-सुबह फोटोशूट की बढ़ती संख्या ने अनुचित व्यवहार और आध्यात्मिक वातावरण में व्यवधान की चिंताओं को जन्म दिया है। मंदिर के एक पदाधिकारी और वैदिक विद्वान प्रो. गोपालाचार्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, रथबीड़ी केवल एक सार्वजनिक मार्ग नहीं है – यह एक पवित्र मार्ग है जिस पर सदियों से संतों, भक्तों और अष्ट मठों के पुरोहितों की कृपा रही है।

श्री कृष्ण मंदिर परिसर के चारों तरफ स्थित कार स्ट्रीट, दैनिक अनुष्ठानों, धार्मिक जुलूसों और वार्षिक उत्सवों में प्रमुख भूमिका अदा करता है। मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि इसके आध्यात्मिक महत्व के कारण यहां रोमांटिक फोटो शूट उचित नहीं है, और यह धार्मिक भावनाओं के प्रति असम्मान के रूप में दृष्टिगोचर होता है।

गोलापाचार्य ने स्पष्ट किया कि इस निर्णय का उद्देश्य आगंतुकों या श्रद्धालुओं को हतोत्साहित करना नहीं है, बल्कि उन गतिविधियों को रोकना है जो मंदिर के श्रद्धाभाव वाले माहौल से मेल नहीं खाती हैं। विवाह फोटोशूट पर प्रतिबंध का निर्णय इस सप्ताह से प्रभावी हो गया है। मंदिर प्रबंधन ने फोटोग्राफरों और विवाह आयोजकों से नए निर्देश का सम्मान करने की अपील की है।

गोपालाचार्य ने कहा, ''इस सदियों पुराने स्थल की शुचिता को बनाए रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।'' तटीय कर्नाटक में एक प्रमुख तीर्थस्थल एवं सांस्कृतिक स्थल उडुप्पी के श्री कृष्ण मठ में हर साल हजारों श्रद्धालु एवं पर्यटक आते हैं। यह मंदिर 13वीं शताब्दी के दार्शनिक-संत माधवाचार्य द्वारा स्थापित आठ मठों में से एक है, जो शंकराचार्य (अद्वैत) रामानुजाचार्य (विशिष्टाद्वैत) और माधवाचार्य (द्वैत) के साथ आचार्य त्रय' में से एक थे।

पर्याय पुट्टीग मठ के प्रशासनिक सचिव प्रसन्नाचार्य ने बताया, ''मंदिर परिसर न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी श्रद्धालुओं के बीच अत्यधिक पूजनीय है और यह शिक्षा का एक महान केंद्र है और इसकी शुचिता को संरक्षित एवं सुरक्षित किया जाना चाहिए।''

भाजपा शासन के खिलाफ 40 फीसदी कमीशन के आरोप की जांच के लिए एसआईटी गठित करेगी कर्नाटक सरकार

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को न्यायमूर्ति नागमोहन दास आयोग की जांच रिपोर्ट के आलोक में राज्य की पिछली भाजपा सरकार के खिलाफ 40 प्रतिशत कमीशन के आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का फैसला किया।

कर्नाटक के कानून एवं संसदीय मामलों के मंत्री एच के पाटिल ने संवाददाताओं को बताया कि विशेष जांच दल दो महीने में जांच पूरी करके राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंपेगा। पाटिल ने कहा कि इसके बाद जांच रिपोर्ट कैबिनेट की बैठक में पेश की जाएगी।

मंत्री के अनुसार, न्यायमूर्ति नागमोहन दास की रिपोर्ट ने तीन लाख कार्यों में से 1,729 कार्यों का नमूना लिया और जांच की। मंत्री ने कहा, रिपोर्ट दो खंडों में है।

इसमें अनियमितताओं के आरोपों के बारे में कहा गया है। पाटिल ने कहा कि जारी की गई राशि स्वीकृत राशि से अधिक थी, अनापत्ति प्रमाण पत्र समय से पहले जारी किया गया था, और निविदा प्रक्रिया में भी हस्तक्षेप किया गया था।

मंत्री ने कहा, एसआईटी में क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल होंगे। एसआईटी को दो महीने में अपनी रिपोर्ट देनी होगी।

कमीशन मांगे जाने पर ठेकेदारों को लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शुक्रवार को सुझाव दिया कि यदि किसी ने ठेकेदारों से उनके बिलों के भुगतान के लिए कमीशन की मांग की है, तो उन्हें लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए। उनकी यह प्रतिक्रिया कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ (केएससीए) द्वारा लगाये गये उस आरोप के एक दिन बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कमीशनखोरी का खतरा अब भाजपा की पिछली सरकार से भी अधिक गंभीर हो गया है। केएससीए ने दावा किया था कि उपमुख्यमंत्री शिवकुमार और दो अन्य वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के कार्यालयों में ''दलाल'' सक्रिय हैं।

शिवकुमार ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्रियों की संलिप्तता से इनकार किया और कहा, ''यदि किसी ने बिलों के भुगतान के लिए ठेकेदारों से कमीशन मांगा है, तो उन्हें लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए। हमारे मंत्री सतीश जरकीहोली और बोसराजू इसमें शामिल नहीं हैं।''

उपमुख्यमंत्री ने विधानसभा में पत्रकारों से कहा कि यदि ठेकेदारों से कमीशन मांगा जाता है, तो उन्हें लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि ठेकेदारों को बिल भुगतान के बारे में मंत्री से क्यों पूछना चाहिए? शिवकुमार ने कहा, ''क्या उन्हें (ठेकेदारों को) विभाग के बजट के बारे में जानकारी नहीं है? जब अनुदान ही नहीं है, तो उन्होंने ठेका कैसे ले लिया?''

उन्होंने कहा, ''मुझसे संबंधित मौजूदा विभाग द्वारा भाजपा कार्यकाल के दौरान एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के ठेके दिए गए थे। विधायक इन ठेकों के बिलों के भुगतान का अनुरोध कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के दौरान विधानसभा चुनाव से एक साल पहले ही ठेकेदारों को चेतावनी दे दी गई थी। केएससीए अध्यक्ष आर मंजूनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा था कि शिवकुमार के कार्यालय में ''दलाल'' सक्रिय हैं और उन्होंने लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली के एक रिश्तेदार द्वारा उनके विभाग से संबंधित मामलों में हस्तक्षेप करने का भी आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि लघु सिंचाई मंत्री एनएस बोसराजू के बेटे (रवि बोसराजू) सभी सौदे करते हैं। बोसराजू और जारकीहोली ने इन आरोपों से इनकार किया है।

बेंगलूरु में 'पेप्पा पिग' का एक बार फिर होगा आयोजन

बेंगलूरु। बेंगलूरु सहित पांच शहरों में पिछले साल 'पेप्पा पिग्स एडवेंचर' के सफल आयोजन के बाद अब यहां सात और आठ जून को प्रेस्टीज सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स' में फिर से इसका प्रदर्शन किया जाएगा। 'बुकमायशो' द्वारा निर्मित और प्रचारित इस 'लाइव स्टेज शो' को अमेरिकी खिलौना कंपनी 'हैस्ब्रो इंक' से मान्यता प्राप्त है।

'बुकमायशो' द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पिछले वर्ष इसे बेंगलूरु, मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई और अहमदाबाद में प्रदर्शित किया गया था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस वर्ष बेंगलूरु के अलावा 'पेप्पा पिग्स एडवेंचर' का मंचन चंडीगढ़, इंदौर, कोलकाता और गोवा में भी किया जाएगा। 'बुकमायशो' पर 17 अप्रैल से इसके टिकट की बुकिंग शुरू होगी।

कर्नाटक कैबिनेट में जाति गणना की रिपोर्ट पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बहुप्रतीक्षित सामाजिक-आर्थिक एवं शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट शुक्रवार को कर्नाटक कैबिनेट के समक्ष पेश की गयी। इस रिपोर्ट को ''जाति गणना'' के नाम से भी जाना जाता है। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने इसकी जानकारी दी। पत्रकारों से यहां बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा, ''कुछ मंत्रियों ने कहा कि वे पहले सिफारिशों पर विचार करना चाहते हैं। इस कारण 17 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक होगी।''

कर्नाटक के कानून एवं संसदीय मामलों के मंत्री एच. के. पाटिल ने कहा कि यह निर्णय किया गया है कि 17 अप्रैल को एक विशेष कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना पर चर्चा की जाएगी। पिछड़ा वर्ग विकास मंत्री शिवराज तंगड़गी के अनुसार, जाति जनगणना रिपोर्ट 50 खंडों में है। इसमें 1.38 करोड़ परिवारों के 5.98 करोड़ लोग शामिल हैं। तंगड़गी ने संवाददाताओं से कहा, ''इसमें 94.77 प्रतिशत लोग शामिल हैं। केवल 5.23 प्रतिशत लोग इसके दायरे से बाहर हैं।''

उन्होंने कहा कि जाति जनगणना 1.6 लाख अधिकारियों की मदद से तैयार की गई थी, जिसमें 79 आईएएस अधिकारी, 777 वरिष्ठ स्तर के अधिकारी, 1,33,825 शिक्षक और कृषि एवं अन्य विभागों के 22,190 कर्मचारी शामिल थे।

सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट पिछले साल फरवरी में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के. जयप्रकाश हेगड़े द्वारा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को सौंपी गई थी।

घोटाले, रिश्वतखोरी और पक्षपात कर्नाटक में आम बात हो गई है : भाजपा

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार लंबे समय तक नहीं टिक सकती, क्योंकि राज्य में भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति आम बात हो गई है। कर्नाटक स्टेट कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन (केएससीए) ने बृहस्पतिवार को दावा किया था कि उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और दो अन्य वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के कार्यालयों में ''दलाल'' सक्रिय हैं। केएससीए ने आरोप लगाया कि राज्य में कमीशनखोरी अब पूर्ववर्ती भाजपा सरकार से भी अधिक हो गई है।

आरोपों का जवाब देते हुए, उपमुख्यमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि अगर किसी ने ठेकेदारों से उनके बिल का भुगतान करने के लिए कमीशन मांगा है, तो उन्हें लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रत्यूष कंठ ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में, इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ''कर्नाटक में संगठित तरीके से हो रहा भ्रष्टाचार अपने चरम पर है।'' उन्होंने कहा, ''आपने भ्रष्टाचार को संस्थागत बना दिया है। केवल बड़े ठेकेदारों के बिल ही मंजूर हो रहे हैं। मध्यम और छोटे संघर्ष कर रहे हैं।'' कंठ ने कहा कि कांग्रेस ने राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान ''बहुत सी चीजों'' का वादा किया था, लेकिन राज्य में पार्टी के शासन में घोटाले, रिश्वतखोरी और पक्षपात आम बात हो गई है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में पानी और बिजली के ''बिल'' का संकट जारी है, वहीं नयी गाड़ियों पर पथ कर और बस किराये में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा, ''वहां आम लोग त्रस्त हैं... यह भ्रष्ट सरकार लंबे समय तक नहीं टिकने वाली है। कर्नाटक में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की राहुल गांधी की परियोजना कभी सफल नहीं होने वाली है।''

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी द्वारा हाल में की गई कथित टिप्पणी का हवाला देते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि (राज्य की) सत्ता में बैठे लोग अब कह रहे हैं कि प्रदेश भ्रष्टाचार में नंबर एक बन गया है।

कार की बस से टक्कर में चार लोगों की मौत

यादगीर। यादगीर जिले के शाहपुर में एक कार की सरकारी बस से टक्कर हो गई, जिससे कार सवार तीन महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना बृहस्पतिवार रात मद्दारकी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 150ए पर हुई।

पुलिस ने बताया कि मृतक यादगीर तालुका के वरकनहल्ली गांव के निवासी थे। मामले की जांच की जा रही है।

फायर वॉक

शुक्रवार को दावणगेरे में श्री वीरभद्रेश्वर केंद्रचने कार्यक्रम के दौरान मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन ने फायर वॉक किया।

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला
भारत सरकार
जेएलएन स्टेडियम परिसर, पूर्वी गेट नंबर 10, नई दिल्ली - 110003

विज्ञापन संख्या 01/2025

दिनांक : 12/04/2025

विषय : राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला, नई दिल्ली में सीधी भर्ती के माध्यम से तकनीकी सहायक के पदों को भरने के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल), भारत सरकार, नई दिल्ली तकनीकी सहायक के पदों को भरने के लिए आवश्यक योग्यता और प्रासंगिक कार्य अनुभव रखने वाले भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित करती है।

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्ग	वेतन मैट्रिक्स स्तर (7वें सीपीसी के अनुसार)	भर्ती की विधि
तकनीकी सहायक	09 (नौ) एससी - 01 ओबीसी (एनसी) - 02 ईडब्ल्यूएस - 01 यूआर - 05	ग्रुप-बी	पीएमएल - 6 (रु. 35400 - 112400/-)	सीधी भर्ती द्वारा

2. पदों के आरक्षण, आवेदन भरने के तरीके, शुल्क और अन्य मानदंडों के बारे में विस्तृत विज्ञापन के लिए, आप एनडीटीएल की वेबसाइट www.ndtlindia.com के साथ-साथ राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल पर जा सकते हैं।

3. ऑनलाइन आवेदन की अंतिम / समापन तिथि समाचार पत्रों में विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन होगी।

CBC 47113/12/0001/2526

ह/-
एनडीटीएल

माफी कभी नहीं मांगूंगा, न ही कभी मांगी है : आहूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर के 'अपना घर शालीमार' में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में कांग्रेस नेताओं के प्रवेश के बाद गंगाजल से छिड़काव करने के मामले में विवादों में आये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ज्ञान देव आहूजा ने पार्टी द्वारा मांगे गए स्पष्टीकरण के जवाब में कहा है, ज्ञान देव आहूजा कभी माफी नहीं मांगेगा और न कभी मांगी है। आहूजा ने शुक्रवार को यहां कहा कि वह अपनी बात पर अडिग हैं। उन्होंने कहा, मैंने कभी भी दलितों का विरोध नहीं किया। मैं दलितों का समर्थक हूं। मेरे विधानसभा क्षेत्र में जाकर देखिए मैंने दलितों की कितनी सेवा की है।

उन्होंने कहा कि दलितों की लड़कियों के मामले में भी वह पूरी तरीके से सक्रिय रहे और उनकी बरामदगी कराई। उन्होंने कहा, मेरा कांग्रेस को लेकर विवाद था क्योंकि कांग्रेस ने राम जन्म सेतु और राम जन्म भूमि को लेकर सवाल किए थे, इसलिए मैंने यह बात कही थी और मैंने दलित के नाम पर किसी नेता का नाम नहीं लिया और न दलित की बात की। आहूजा ने कहा कि अगर टीकाराम जूली अपने आप को दलित नेता ही मानते हैं तो फिर यह क्यों कहते हैं कि 36 बिरादरी का उन्हें समर्थन प्राप्त है।

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में भाजपा और कांग्रेस के नेताओं को बुलाया गया। मेरा विरोध सिर्फ कांग्रेस नेताओं से था। किसी दलित से नहीं था। उन्होंने कहा कि पार्टी को स्पष्टीकरण देने से पहले मुझे अपनी बात रखने का अवसर देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि मैंने जो जवाब दिया है उसका अब मैं अभी खुलासा नहीं कर रहा हूं, लेकिन इतना जरूर कह रहा हूं, ज्ञान देव आहूजा ने न कभी माफी मांगी है, न मांगेगा।

ग्रामीणों की नींद उड़ाने वाला तेंदुआ हुआ पिंजरे में कैद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर जिले के मावली थाना क्षेत्र में गंदोली गांव में पिछले तीन दिनों से ग्रामीणों की नींद उडाने वाला तेंदुआ शुक्रवार सुबह पिंजरे में कैद हो गया। मावली ब्लॉक के गंदोली गांव और आसपास के इलाके में बीते तीन दिनों से तेंदुए की मौजूदगी ने लोगों में भय पैदा कर दिया था। ग्रामीण हर पल इस डर में जी रहे थे कि कहीं तेंदुआ घरों में न घुस जाए। वन विभाग ने गांव वालों की मांग पर पिंजरा लगाया, लेकिन तेंदुआ बेहद चालाकी से हर बार उसे चकमा देता रहा। तीन दिन की मशक्कत के बाद शुक्रवार सुबह आखिरकार तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया।

यह खबर फैलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। उदयपुर से करीब 35 किलोमीटर दूर विजनवास-गंदोली मार्ग पर यह पिंजरा लगाया गया था।

गुरुवार शाम को इसे स्कूल के पीछे एक खदान के पास शिफ्ट किया गया, जहां आज सुबह तेंदुए के फंसने की सूचना मिली। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को हटाया और पिंजरे को सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क, उदयपुर भेज दिया।

दुबई से लौटे लॉरेंस-गोदारा गैंग के मददगार इलियास खान को एजीटीएफ ने किया गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने लॉरेंस विश्नोई और रोहित गोदारा गैंग से जुड़े एक महत्वपूर्ण आरोपी इलियास खान को गिरफ्तार किया है। आरोपी दुबई में रहकर लंबे समय से गैंग के लिए शरण, आर्थिक मदद और सूचनाएं उपलब्ध करवा रहा था। अपराध शाखा व एजीटीएफ के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम.एन. के निर्देशन में चल रही संगठित अपराध के विरुद्ध कार्रवाई के तहत यह गिरफ्तारी की गई। डीआईजी योगेश यादव के सुपरविजन और एएसपी सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में टीम ने सीकर जिले के रामगढ़ सेठान क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी को पकड़ा।

30 वर्षीय इलियास खान निवासी वार्ड नंबर 36, थाना रामगढ़ (सीकर) है, जो लंबे समय से दुबई में रह रहा था। वह दुबई पुलिस के स्टोर डिपार्टमेंट में कार्यरत था और अपने पुलिस कार्ड का दुरुपयोग कर गैंग के सदस्यों को वहां रहने में मदद करता था। दुबई में खऊ कार्ड के दुरुपयोग के मामले में वह पहले भी गिरफ्तार हो चुका है और जेल में रह चुका है। जांच में सामने आया कि इलियास ने दुबई में रोहित गोदारा, वीरेंद्र चारण, महेन्द्र सारण सहित कई गैंगस्टरों को पनाह दी थी। वह हवाला के जरिए आर्थिक मदद करता था और गैंग के सदस्यों को भारत से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाएं देता था, जैसे ठउछ (रेड कॉर्नर नोटिस) जारी हुआ है या नहीं।

रामगढ़ निवासी आरोपी पर दहेज के एक मामले में भी कार्रवाई हो चुकी है। उसने दो शादियां की हैं और वर्तमान में उससे ख्खढ द्वारा गहन पूछताछ की जा रही है।

वसुंधरा को सिर्फ झालावाड़ जल संकट के बजाय पूरे 'पीसीके-ईआरसीपी' परियोजना पर बात करनी चाहिए : गहलोत

जयपुर। झालावाड़ में पेयजल संकट को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि राजे को सिर्फ झालावाड़ की बात नहीं करनी चाहिए उन्हें पार्बती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी)-ईआरसीपी लिंक परियोजना के समझौते के बारे में बात करनी चाहिए। राजे ने मंगलवार को झालावाड़ में पानी की व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा था, अधिकारी सो रहे हैं, लोग रो रहे हैं, मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। इसके बाद विपक्षी कांग्रेस ने भजनलाल सरकार को घेरना शुरू कर दिया। उनके बयान के बारे में पूछे जाने पर गहलोत ने शुक्रवार को जयपुर में संवाददाताओं से कहा कि वसुंधरा राजे को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा हस्ताक्षरित 'पीसीके-ईआरसीपी' समझौते के बारे में बात करनी चाहिए।

राजस्थान को बनाएंगे कृषक-कल्याणकारी राज्य : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महान शिक्षाविद समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपना पूरा जीवन शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने नारी शिक्षा, किसानों के अधिकार और सामाजिक न्याय के लिए अलख जगाई। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले जी के दिखाए रास्ते पर चलते हुए राज्य सरकार राजस्थान को कृषक-कल्याणकारी राज्य बनाने के लिए कृतसंकल्पित है।

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा महात्मा ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती के अवसर पर सहकार मार्ग स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर पहुंचे। यहां उन्होंने महात्मा फुले की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, विधायक गोपाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

शर्मा शुक्रवार को मुहाना मंडी परिसर में ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केवल एक जयंती समारोह नहीं बल्कि उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ज्योतिबा फुले जी ने भारतीय समाज को एक नई दिशा दी, अंधेरे में प्रकाश का दीप जलाया और उत्पीड़ित वर्गों को सम्मान व समानता का अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनकी सोच केवल एक समय की नहीं थी, बल्कि वह विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा से ही अज्ञानता के अंधेरे को मिटाया जा सकता है और समाज को सशक्त बनाया जा सकता है। ज्योतिबा ने शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाते हुए अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले जी के साथ मिलकर पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल शुरू किया। सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका के रूप में इतिहास में दर्ज हुईं। शर्मा ने कहा कि उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर समाज में फैली जातिगत असमानता को दूर करने, सत्य की खोज और मानवता की सेवा का संदेश दिया।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को आधार मानकर चार जातियां- गरीब, युवा, महिला और किसानों का उत्थान सुनिश्चित कर रही है। राज्य सरकार ने इसी बजट में 5 हजार गांवों को बीपीएल मुक्त करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी में पारदर्शिता तथा पेपरलीक के आरोपियों पर सख्त कार्रवाई से युवाओं को राहत दी गई है। हम किसानों को पानी, ऋण वितरण तथा उन्नत तकनीकों के माध्यम से सशक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार ने जो भी वादे किए हैं हम उनको पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्योतिबा फुले के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार ने फल-सब्जी व्यापारियों और बागवानी करने वाले किसानों के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं जिनका लाभ आने वाले वर्षों तक प्रदेश को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में नई कृषि मंडियों की स्थापना से किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाने और स्थानीय स्तर पर विपणन की सुविधा देने का कार्य कर रहे हैं। साथ ही, जयपुर के जमवारामगढ़ में फूल मंडी, जहाजपुर और शाहपुरा नगर पालिका में फल एवं सब्जी मंडी सहित राज्यभर में विभिन्न मंडियों का निर्माण, प्याज भंडारण संरचना निर्माण हेतु 2,500 किसानों को 22 करोड़ रुपये की सब्सिडी, 3 हजार प्याज भंडारगृहों के निर्माण हेतु 26 करोड़ रुपये का अनुदान सहित विभिन्न कार्य राज्य सरकार द्वारा कराए जा रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल मंडियों तक सीमित नहीं है, बल्कि हम किसानों को तकनीकी रूप से भी सशक्त बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की क्षमता वृद्धि और ज्ञानवर्धन के लिए नॉलेज प्रोग्राम के तहत प्रथम चरण में 100 प्रगतिशील युवा किसानों को इजरायल सहित अन्य देशों में और 5 हजार युवाओं को भारत के विभिन्न राज्यों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि 10 एग्रो क्लाइमेटिक जोन में 2-2 क्लस्टर विकसित करना, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की संख्या को बढ़ाकर 18 करने जैसे कार्यों से राज्य सरकार किसानों को कौशल प्रशिक्षण देकर तकनीकी रूप से उन्नत कर रही है।

भजनलाल ने यज्ञ में आहुति देकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को यहां चिंताहरण काले हनुमानजी मंदिर में एकादश कुंडात्मक सात दिवसीय हनुमत महायज्ञ में आहुति दी तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। न्यू सांगानेर रोड स्थित इस मंदिर में आयोजित यज्ञ में शामिल होकर शर्मा ने कहा कि हमारा देश हमेशा से ऋषि-मुनियों का ऋणी रहा है। ऋषि-मुनियों ने हमारी संस्कृति और परम्परा की रक्षा का काम किया है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से हमारी आने वाली पीढ़ी को भी सांस्कृतिक कार्यों को करने की प्रेरणा मिलती है तथा परम्पराएं समृद्ध होती हैं। इस दौरान महामण्डलेश्वर मनोहर दास महाराज, त्रिवेणी धाम के राम रिछपाल दास महाराज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

प्रदेश के सड़क तंत्र के लिए 7 हजार 690 करोड़ रूपये का बजट आवंटित : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर की ग्राम पंचायत नंदवान (लूणी) में 86 लाख रूपये की लागत से नंदवान से चावड़ों की ढाणी सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार ने बजट में सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन के लिए 7 हजार 690 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। पटेल ने कहा प्राथमिकता के आधार पर क्रमिक रूप से क्षेत्र की सभी सड़कों का निर्माण करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा नंदवान से चावड़ों की ढाणी तक 5.15 किमी सड़क का निर्माण तय समयावधि में पूर्ण कर लोकार्पण किया जाएगा।

पटेल ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अथक प्रयासों के बदौलत जल जीवन मिशन की समयावधि वर्ष 2028 बढ़ाई गई है, जिससे प्रदेश में हर घर तक नल से जल पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि बजट घोषणा के अनुरूप इस वर्ष में 20 लाख घरों में पेयजल कनेक्शन दिए जाएंगे।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा बजट घोषणा के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा के लिए 425 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के तहत चरणबद्ध रूप से 5 हजार 830 करोड़ रुपये के कार्य करवाए जाएंगे। पटेल ने कहा प्रदेश में ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखकर इस वर्ष 2 हजार 500 हैंडपम्प लगाए जाएंगे और पेयजल सम्बन्धी समस्या का तत्काल निराकरण के लिए प्रत्येक जिला कलक्टर को समर कंटिंजेंसी के अन्तर्गत एक करोड़ रुपये का अनटाइड फंड भी उपलब्ध करवाया गया है। पटेल ने कहा क्षेत्र में समुचित जलापूर्ति सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आमजन से आह्वान करते हुए कहा जल संसाधन सीमित है।

'विकसित भारत और विकसित राजस्थान' की दिशा में सभी को मिलकर सार्थक प्रयास करने होंगे : खर्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आज़ादी की 100वीं वर्षगांठ पर विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सभी लोगों का सहयोग आवश्यक है। 'विकसित भारत और विकसित राजस्थान' की दिशा में सभी को मिलकर सार्थक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प के साथ राज्य सरकार शहरी व ग्रामीण विकास, सड़क, शिक्षा व चिकित्सा, पेयजल बिजली के क्षेत्र में विकास कार्यों के नये आयाम स्थापित कर रही है। पेपर लीक पर लगाम लगने से युवाओं के परिवारों में खुशियां आई है।

खर्रा शुक्रवार को टोंक जिले की नगर पालिका निवाई में श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन प्रथम व द्वितीय के भव्य लोकार्पण समारोह में संबोधित कर रहे थे। नगरीय विकास मंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से निवाई नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने जनभावनाओं के अनुरूप कार्य किया है। इसका लाभ यहां के लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि नगर पालिका निवाई द्वारा जो भी कार्य विभाग स्तर पर अप्रूवल के लिए भेजे गए हैं, उन्हें भी शीघ्र ही स्वीकृति देकर विकास कार्य शुरू कराएं जाएंगे। खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही साल में राइजिंग राजस्थान के माध्यम से उद्यमियों के साथ 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू कर निवेश की आधारशीला रखी है। इनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश पर कार्य शुरू हो गया है। राजस्थान की आर्थिक प्रगति में यह निवेश मील का पत्थर साबित होंगे।

समारोह में मौजूद जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश के विकास में कोई कमी नहीं रखेगी। राज्य सरकार ने जनहित की घोषणाओं को धरातल पर उतारकर लोगों को राहत प्रदान की है। चौधरी ने कहा कि जल जीवन मिशन के कामों को शीघ्र पूरा करने के लिए विभाग द्वारा निरंतर हर जिले की प्रगति की मॉनिटरिंग की जा रही है। भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपखंड निवाई के ग्रामीण क्षेत्र के 88 गांवों में जल जीवन मिशन के काम के लिए 170 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए है। इसी माह में वर्क ऑर्डर देकर कार्य शुरू हो जाएंगे। साथ ही, पेयजल कार्यों के लिए शहरी क्षेत्र में 54 करोड़ रुपये एवं वनस्थली में 8 करोड़ रुपये के कामों की स्वीकृति दे दी गई है। चौधरी ने सामुदायिक भवन के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे कम आय वर्ग वाले लोगों को अपने सामाजिक कार्यों को करने में सुगमता होगी तथा आर्थिक भार भी ज्यादा नहीं आएगा।

सरकार 'विकास के साथ विरासत के संरक्षण' को केंद्र में रखकर कर रही काम : रावत

जयपुर/दक्षिण भारत। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने शुक्रवार को रामगढ़ बांध के विभिन्न मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह भी बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत 252.93 लाख रुपये के इन कार्यों को आगामी 12 माह मे पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। इस दौरान रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप प्रदेश सरकार 'विकास के साथ विरासत के संरक्षण' को केंद्र मे रखकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में आज ऐतिहासिक रामगढ़ बांध को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की महत्वाकांक्षी रामजल सेतु लिंक परियोजना से रामगढ़ बांध में पानी लाया जाएगा, जिसके लिए बांध की मरम्मत व विभिन्न निर्माण कार्य पहले ही करवाए जा रहे हैं।

जल संसाधन मंत्री ने विभाग के अधिकारियों को इन कार्यों को निर्धारित समय सीमा मे एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से पूरे करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रामगढ़ बांध को पुनर्जीवित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी तथा इस विरासत की उपयोगिता एवं महत्व को देखते हुये सतत निगरानी के साथ इसका संरक्षण भी करेगी।

रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा के कुशल नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने कुछ ही समय में रामजल सेतु लिंक परियोजना को धरातल पर उतार दिया है। परियोजना के प्रथम चरण के टेंडर किए जा चुके है एवं द्वितीय चरण के प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध रूप से इस परियोजना को पूरा किया जाएगा।

इससे पूर्व जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि राजस्थान लंबे अरसे से पानी की समुचित आपूर्ति के लिए संघर्ष कर रहा है।

नड्डा ने ओडिशा में आयुष्मान भारत योजना की औपचारिक शुरुआत की, बंगाल को बताया अगला लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटक/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने शुक्रवार को ओडिशा में आयुष्मान भारत योजना की औपचारिक शुरुआत की। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना जल्द ही पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में लागू होगी। पश्चिम बंगाल एकमात्र राज्य है, जहां पर केंद्र की यह योजना प्रभावी नहीं है।

भाजपा के ओडिशा की सत्ता में आने के 10 महीने बाद राज्य में आयुष्मान भारत योजना लागू की गई है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस शासित पश्चिम बंगाल में यह योजना अब तक लागू नहीं की गई है, जहां पर 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। नड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार ने ओडिशा के लोगों से किए गए अपने वादों को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार आयुष्मान भारत योजना को लागू करने की केंद्र की अपील लगातार खारिज कर रही है। उन्होंने कहा, ''ओडिशा, दिल्ली और पश्चिम बंगाल तीन राज्य ऐसे थे, जहां आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं की गई थी। हालांकि, इन राज्यों में सरकार बदलने के बाद ओडिशा और दिल्ली में यह योजना लागू हो गई। बंगाल के लोगों को भी यह सुविधा मिलेगी और भाजपा भारत के सभी नागरिकों को यह स्वास्थ्य योजना प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।'' नड्डा ने दावा किया कि जिन राज्य सरकारों ने नरेन्द्र मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधाएं डालीं, उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा, ''लोगों ने ओडिशा और दिल्ली की सरकारों को खारिज कर दिया है।'' भाजपा ने फरवरी में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) को दो-तिहाई बहुमत से हराकर 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की थी। नड्डा ने याद दिलाया कि कैसे उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के रूप में ओडिशा और दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्रियों, क्रमश: नवीन पटनायक और अरविंद केजरीवाल से आयुष्मान भारत योजना लागू करने की अपील की थी, लेकिन उन दोनों ने इसे खारिज कर दिया था।

'परिवार का साथ, परिवार का विकास' : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता के लिए लालायित लोग केवल अपने परिवार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि उनकी सरकार समावेशी विकास के विषय पर काम करती है।

अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 3,880 करोड़ रुपए की लागत की 44 परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ''राष्ट्र की सेवा में हमारा मार्गदर्शक मंत्र हमेशा 'सबका साथ, सबका विकास' रहा है। इसी भावना के साथ हम हर नागरिक के कल्याण के लिए आगे बढ़ते रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, जो लोग सत्ता के भूखे हैं, वे दिन-रात राजनीतिक खेल खेलते हैं और वे लोग परिवार-केंद्रित विकास पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने संसदीय क्षेत्र में कहा, ''सत्ता पाने के लिए खेल खेलने वाले लोग केवल अपने परिवार की उन्नति में रुचि रखते हैं। उनका सिद्धांत 'परिवार का साथ, परिवार का विकास' है।'' भाजपा महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने बताया कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी का यह 50 वां काशी दौरा है।

मोदी ने भोजपुरी में लोगों का अभिवादन करके अपने भाषण की शुरुआत की और दलित सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी तथा सामाजिक समानता और महिला सशक्तिकरण में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा, ''आज सामाजिक चेतना के प्रतीक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती भी है। महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले जी ने जीवन भर नारीशक्ति के हित, उनके आत्मविश्वास और समाज कल्याण के लिए काम किया।'' मोदी ने कहा कि आज हम उनके विचारों को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि उनकी सरकार सर्वांगीण विकास पर ध्यान केन्द्रित करती है। उन्होंने कहा, ''महात्मा ज्योतिबा फुले जी जैसे त्यागी, तपस्वी, महापुरुषों की प्रेरणा से ही देशसेवा का हमारा मंत्र 'सबका साथ-सबका विकास' है। हम देश के लिए उस विचार को लेकर चलते हैं, जिसका समर्पित भाव है, सबका साथ-सबका विकास।'' अपने निर्वाचन क्षेत्र में हुए विकास के बारे विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि पहले पूर्वांचल में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव था, लेकिन आज काशी स्वास्थ्य की राजधानी बन रही है। उन्होंने कहा, ''10-11 साल पहले, पूरे पूर्वांचल में इलाज को लेकर जो परेशानियां थीं, वे भी हम सब जानते हैं। आज स्थितियां बिल्कुल अलग हैं।

काशी का कलेवर बदला, नई काशी देखने के लिए हर श्रद्धालु उतावला : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। महाकुंभ के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहली बार शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र काशी पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि विगत 11 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हुए विकास से काशी का कलेवर बदल गया है और अब नई काशी और उसके नए कलेवर को देखने के लिए पूरे देश के श्रद्धालु उमड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हर किसी ने पिछले 11 वर्ष में बदलती हुई काशी को देखा है। यह वही काशी है, जो संकरी गलियों के लिए जानी जाती थी, अपने जाम के लिए जानी जाती थी। काशी शिक्षा का प्राचीन केंद्र रही है, लेकिन अस्त-व्यस्त पड़े शिक्षा के केंद्रों के साथ ही स्वास्थ्य के लिए, पर्यटन के लिए, कनेक्टिविटी के लिए पिछले 11 वर्षों में यहां 50,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं आई हैं।'' उन्होंने कहा कि आज भी प्रधानमंत्री के कर कमलों से काशी में लगभग 4000 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हो रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राधा-कृष्ण की लीलाओं से आच्छादित अंगवस्त्र पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट करके उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री को स्मृति चिह्न के रूप में वाराणसी की 'जीआई टैग' प्राप्त काष्ठकला के तहत निर्मित कमल छत्र भेंट किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक विजय के साथ ही दिव्य और भव्य महाकुंभ के आयोजन के उपरांत प्रधानमंत्री की यह पहली काशी यात्रा है।'' उन्होंने कहा, ''दिव्य और भव्य महाकुंभ के इस आयोजन में काशी भी इसका साक्षी बना। देश और दुनिया से आने वाला हर श्रद्धालु पिछले 11 वर्ष में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इस नई काशी और बाबा विश्वनाथ की पावन धरा को नए कलेवर के रूप में देखने को उतावला दिखाई दे रहा था।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि 45 दिनों के इस आयोजन के अवसर पर काशी में भी एक महा समागम दिखाई दे रहा था और इस दौरान तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने यहां स्थित बाबा विश्वनाथ के पावन धाम के दर्शन किये। आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ की सफलता, उसकी भव्यता और उसकी दिव्यता प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में एक नई ऊंचाई को छूती हुई दिखाई दी। उन्होंने का कि नमामि गंगे परियोजना के बाद हर श्रद्धालु जिसने मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी में डुबकी लगाई उसने अपने आप को अभिभूत होता हुआ पाया।

उन्होंने कहा कि नमामि गंगे परियोजना की सफलता के कारण महाकुंभ भी आज सफल हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी और उत्तर प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री जी के प्रयास सार्थक साबित हुए हैं।

भारतीय ईवीएम को हैक नहीं किया जा सकता: निर्वाचन आयोग के सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने शुक्रवार को इन शंकाओं को खारिज किया कि देश में इस्तेमाल की जाने वाली इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को हैक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ये मशीन साधारण कैलकुलेटर की तरह काम करती हैं, जो इंटरनेट या 'इन्फ्रारेड' से नहीं जुड़ी होतीं। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की कथित टिप्पणी का हवाला देते हुए कि उनके कार्यालय ने मतों में हेराफेरी करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली की हैकिंग के सबूत प्राप्त किए हैं, सूत्रों ने कहा कि कुछ देश ''इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम'' का उपयोग करते हैं जो इंटरनेट समेत विभिन्न निजी नेटवर्क प्रणालियों, मशीनों और प्रक्रियाओं का मिश्रण है। सूत्रों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का इस्तेमाल करता है जो ''सरल, सही और सटीक कैलकुलेटर'' की तरह काम करती हैं और इन्हें इंटरनेट, वाईफाई या इन्फ्रारेड से नहीं जोड़ा जा सकता।

विभाजनकारी मुद्दे उठाकर जनता का ध्यान भटका रही भाजपा: अखिलेश यादव

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी जानबूझकर विभाजनकारी मुद्दों को उठाकर जनता का ध्यान बढ़ती बेरोजगारी, आर्थिक संकट और उत्तर प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था जैसे वास्तविक मुद्दों से भटका रही है। अलीगढ़ में रामघाट रोड पर एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए सपा प्रमुख ने संवाददाताओं से कहा, जब भी भाजपा को वास्तविक मुद्दों पर बढ़ते जन आक्रोश का सामना करना पड़ता है तो वह ध्यान भटकाने के लिए अनावश्यक विवाद पैदा करती है। भाजपा सरकार के पास केवल नफरत की राजनीति और विभाजनकारी एजेंडे हैं। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने लगातार झूठे आंकड़े देकर उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था की भ्रामक तस्वीर पेश की है, लेकिन जमीनी हकीकत अब सभी के सामने है। उन्होंने कहा, जब भी विपक्षी नेता आवाज उठाते हैं, तो उन्हें फर्जी और मनगढ़ंत मामलों के जरिए चुप करा दिया जाता है। आज मुद्दों का फैसला योग्यता के आधार पर नहीं, बल्कि संकीर्ण राजनीतिक विचारों के आधार पर किया जा रहा है। भारत का संविधान गंभीर खतरे में है।

न्यायालय ने केंद्र, बिहार सरकार से पूछा : गंगा के किनारे अतिक्रमण हटाने के लिए क्या कदम उठाए गए?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बिहार में गंगा किनारे अवैध निर्माण को लेकर चिंता जताते हुए केंद्र और राज्य सरकार को अवैध निर्माण हटाने के लिए उठाये गये कदमों के बारे में वस्तु-स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने जानना चाहा आज की तारीख में मौजूदा अतिक्रमणों की संख्या कितनी है। पीठ ने यह भी बताने का निर्देश दिया कि अधिकारी इन अतिक्रमणों को कब तक और किस तरह हटाएंगे। पीठ ने कहा, ''हम जानना चाहेंगे कि गंगा नदी के किनारे ऐसे सभी अतिक्रमणों को हटाने के लिए अधिकारियों ने क्या कदम उठाए हैं।'' दो अप्रैल के आदेश में कहा गया, ''हम बिहार सरकार और भारत सरकार दोनों को उचित रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हैं ताकि हम मामले में आगे बढ़ सकें।'' पीठ राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 30 जून, 2020 के आदेश के खिलाफ पटना निवासी अशोक कुमार सिन्हा की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील डूब क्षेत्रों में अवैध निर्माण और स्थायी अतिक्रमण के खिलाफ उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। उनके वकील आकाश वशिष्ठ ने कहा कि गंगा के आसपास के डूब क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध तथा अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण किए जा रहे हैं, जिनमें आवासीय बस्तियां, ईंट भट्टे और अन्य धार्मिक संरचनाएं शामिल हैं। नदी के किनारों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

बिहार में बिजली गिरने और ओलावृष्टि से मरने वालों की संख्या 61 हुई

पटना/भाषा। बिहार में बिजली गिरने और ओलावृष्टि से 36 और लोगों की मौत होने के बाद इस तरह की घटनाओं में मरने वालों की संख्या 61 हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

ओलावृष्टि और बारिश से जुड़ी घटनाओं में 39 लोगों की मौत हुई, जबकि बृहस्पतिवार को आकाशीय बिजली गिरने से 22 लोगों की मौत हुई। बृहस्पतिवार शाम को 25 लोगों की मौत हुई और विभिन्न जिलों से मिले आंकड़ों के अनुसार मृतकों की संख्या 61 हो गई। प्रदेश में इन घटनाओं में सबसे अधिक 23 लोगों की मौत नालंदा जिले में हुई। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बयान में कहा गया, ''बिहार के कई जिलों में बिजली गिरने, ओलावृष्टि और बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण मरने वालों की संख्या 61 हो गई। इसके बाद भोजपुर (छह), सीवान, गया, पटना और शेखपुरा (चार-चार), जमुई (तीन) और जहानाबाद (दो) हैं। गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, अरवल, दरभंगा, बेगूसराय, सहरसा, कटिहार, लखीसराय, नवादा और भागलपुर जिलों में एक-एक मौत हुई है।''

भाजपा राजनीतिक रूप से तृणमूल कांग्रेस का मुकाबला करे, लोगों को निशाना नहीं बनाए: साकेत गोखले

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता साकेत गोखले ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसे लोगों को निशाना बनाने के बजाय राजनीतिक रूप से उनसे लड़ना चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के निलंबन को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा केंद्र से सवाल पूछे जाने के एक दिन बाद आई है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार को यह बताने का निर्देश दिया था कि मनरेगा योजना को चार जिलों को छोड़कर पश्चिम बंगाल में आगे क्यों नहीं क्रियान्वित किया जाना चाहिए। गोखले ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत पश्चिम बंगाल का 7,500 करोड़ रुपए से अधिक की बकाया राशि रोक रखी है। उन्होंने कहा, ''2021 में बंगाल में भाजपा के विधानसभा चुनाव हारने के बाद, मोदी सरकार ने मनरेगा के तहत हमारे राज्य का 7500 करोड़ रुपए से अधिक बकाया रोक दिया है। शर्मनाक बात यह है कि बंगाल से भाजपा के 12 सांसदों और दो केंद्रीय मंत्रियों में से किसी ने भी केंद्र सरकार से यह बकाया राशि जारी करने के लिए नहीं कहा है।'' उन्होंने दावा किया कि यह धन उन गरीबों का है जिन्होंने काम किया है लेकिन उन्हें भुगतान नहीं किया गया है क्योंकि धनराशि रोक ली गई थी।

पटना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठियां भांजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बेरोजगारी के मुद्दे पर प्रदर्शन के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पटना स्थित सरकारी आवास की ओर बढ़ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए शुक्रवार को पुलिस ने लाठियां भांजी और पानी की बौछारे छोड़ी।

एक अधिकारी ने बताया कि कन्हैया कुमार समेत कांग्रेस के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। कांग्रेस ने ''पलायन रोको, नौकरी दो'' पद यात्रा के समापन पर शुक्रवार को रैली का आयोजन किया था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीपीसीसी मुख्यालय सदाकत आश्रम से मार्च शुरू किया। यहां से करीब एक किलोमीटर दूर राजा पुल क्रॉसिंग पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेड लगा रखे थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इन्हें लांघने का प्रयास किया जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने बल प्रयोग किया। प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 1, अणे मार्ग तक मार्च निकालने के बाद एक ज्ञापन सौंपना चाहते थे। मुख्यमंत्री का आवास उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में स्थित है और यहां आम लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध है। कांग्रेस की छात्र और युवा शाखाओं द्वारा आयोजित ''पद-यात्रा'' को पार्टी की राज्य में खुद को मजबूत करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि में कुछ महीने बाद विधानसभा चुनाव होने हैं।

बिहार चुनाव राजनीतिक तौर पर नीतीश कुमार का अंत साबित होगा: प्रशांत किशोर

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को दावा किया कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव राजनीतिक तौर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अंत साबित होगा। किशोर ने यहां गांधी मैदान में आयोजित 'बिहार बदलाव रैली' में यह टिप्पणी की। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के लोगों को नीतीश कुमार, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निराश किया है।

हालांकि, किशोर लोगों की आमद को लेकर नाखुश दिखे और उन्होंने बमुश्किल 10 मिनट रैली को संबोधित करने का फैसला किया। उन्होंने प्रशासन पर राज्य के अन्य हिस्सों से आने वाले कम से कम दो लाख लोगों के शहर में प्रवेश करने से रोकने का आरोप लगाया। पूर्व चुनाव रणनीतिकार ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार के इशारे पर काम किया। उन्होंने कहा कि वह 74 वर्षीय नेता का राजनीतिक श्राद्ध करेंगे। किशोर ने कहा, आइए हम इस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लें। जंगलराज लेकर आए लालू प्रसाद ने बिहार के लोगों को निराश किया।

मेरा लक्ष्य अधिक शांतचित्त और तनाव मुक्त रहना है : रुद्रांक्ष पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने के बावजूद पिछले साल हुए इन खेलों में भाग नहीं ले पाने वाले राइफल निशानेबाज रुद्रांक्ष पाटिल मुश्किल परिस्थितियों में भी शांतचित्त और तनाव मुक्त रहने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

पाटिल पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा स्थान हासिल करने वाले देश के शुरुआती निशानेबाजों में शामिल थे लेकिन भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया। वह ओलंपिक क्वालीफिकेशन ट्रायल में सेना के निशानेबाज संदीप सिंह से हार गए जिन्होंने उनकी जगह पर पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। हाल ही में ब्यूनस आयर्स में सत्र के पहले आईएसएसएफ विश्व कप में व्यक्तिगत स्वर्ण और आर्य बोरसे के साथ मिश्रित टीम में रजत पदक जीतने वाले इस युवा खिलाड़ी को इस झटके ने और अधिक दृढ़ बना दिया है और अब वह निशानेबाजी के उस पहलू पर काम कर रहे हैं, जिसे सभी जानते हैं लेकिन कुछ ही लोग इसे अक्षरश: लागू कर पाते हैं। पाटिल ने अर्जेंटीना की राजधानी से पीटीआई वीडियो से कहा, ''मेरा लक्ष्य किसी भी टूर्नामेंट से पहले और टूर्नामेंट के दौरान शांतचित्त और तनाव मुक्त रहना है ताकि मैं अपने प्रदर्शन में निरंतरता ला सकूं। मैं अभी इसी पर काम कर रहा हूं।''

यह पूर्व विश्व चैंपियन तकनीकी और मानसिक प्रशिक्षण में विश्वास रखता है और उनका मानना है कि इन दोनों पहलुओं में कितना भी कुछ करलो सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। पाटिल ने कहा, ''हम सभी का लक्ष्य प्रत्येक दिन सुधार करना होता है। प्रत्येक वर्ष खुद को साबित करने का बहुत अधिक दबाव होता है। आपको राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए प्रत्येक दो महीने में खुद को साबित करना होता है।'' उन्होंने कहा, ''इसके लिए हमें मानसिक और तकनीकी पहलुओं पर निरंतर काम करना होगा। यह आम बोलचाल के शब्द हैं लेकिन इनमें आप कितना भी कौशल हासिल कर लो तब भी आपको इन पर निरंतर काम करना होता है।'' ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाने के संदर्भ में इस 21 वर्षीय निशानेबाज ने कहा, ''मैं निराश नहीं था, मैं दुखी था। इसका सबसे ज्यादा असर मेरे माता-पिता और मेरे सहयोगी स्टाफ पर पड़ा क्योंकि वह जानते थे कि मैंने इसके लिए कितनी कड़ी मेहनत की थी।''

ओडिशा : ओलिव रिडले समुद्री कछुओं के बच्चे अंडों से बाहर निकले

ब्रह्मपुर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के गंजाम जिले में रुशिकुल्या नदी के मुहाने पर ओलिव रिडले समुद्री कछुओं के बच्चों का अंडों से बाहर आना शुरू हो गया है। हजारों की संख्या में बच्चे रेतीले गड्ढों से निकलकर समुद्र की ओर जाने लगे हैं। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) और खलीकोट वन क्षेत्र के प्रभारी दिब्या शंकर बेहरा ने कहा कि बड़े पैमाने पर अंडों से कछुओं के बच्चों के बाहर आने का काम समय पर शुरू हो गया है। 4 से 5 दिन तक यह काम जारी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''हम शिशु कछुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इस वर्ष दो चरणों में रिकॉर्ड संख्या में कछुओं ने अंडे दिए हैं इसलिए हम उम्मीद कर रहे हैं कि अंडों से रिकॉर्ड संख्या में बच्चे निकलेंगे।'' अधिकारी ने बताया स्थानीय स्वयंसेवियों ने शिकारियों से इन कछुओं की सुरक्षा के लिए वनकर्मियों की मदद की है।

सफेद गेंद के प्रारूप के बादशाह साबित हो रहे हैं केएल राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। एक समय टीम के लिये अपनी उपयोगिता साबित करने के लिये जूझ रहे केएल राहुल ने चैम्पियंस ट्रॉफी से लेकर आईपीएल तक जिस तरह अपनी तकदीर का पासा पलटा है, वह उनके जैसा तकनीकी कौशल का धनी बल्लेबाज ही कर सकता है ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के खिलाफ आईपीएल मैच में चिन्नास्वामी की पेचीदा पिच पर 175 की स्ट्राइक रेट से 53 गेंद में नाबाद 93 रन बनाकर उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से जीत दिलाई । उनका अर्धशतक जोखिमरहित था जिसमें 29 गेंद में 29 रन बनाने के बाद बाकी 64 रन सिर्फ 24 गेंद में बनाये गए ।

यह कहना आसान है कि कर्नाटक का होने के कारण हालात से वाकफियत से उन्हें तेजी से रन बनाने में मदद मिली । हो सकता है कि ऐसा हुआ हो लेकिन सिर्फ यही कारण नहीं है । वह दिल्ली टीम की बल्लेबाजी की धुरी बने हैं तो अपने तकनीकी कौशल के दम पर ।

उन्होंने बृहस्पतिवार को एक बार फिर साबित कर दिया कि टीम का उन पर भरोसा बेमानी नहीं है । जोश हेजलवुड को 15वें ओवर में तीन चौकों और एक छक्के समेत 22 रन लेकर उन्होंने मैच का पासा दिल्ली के पक्ष में पलट दिया ।

आरसीबी के मेंटोर दिनेश कार्तिक ने राहुल की पारी की तारीफ करते हुए कहा ,'' टी20 में अलग अलग क्रम पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है लेकिन उसने पिछले कुछ समय में ऐसा बखूबी किया है । मेरा मानना है कि वह उच्च स्तर का मध्यक्रम का बल्लेबाज है ।'' उन्होंने कहा ,'' उसके पास कौशल हमेशा से था लेकिन अब वह और स्वतंत्रता से खेल रहा है । उसे देखकर अच्छा लग रहा है ।''

आरसीबी को उसके गढ में हराने के बाद जिस तरह मैदान पर सर्कल बनाकर बीच में उन्होंने अपना बल्ला ठोंककर जश्न मनाया , उससे साबित होता है कि सीमित ओवरों के प्रारूप में वह अपने हुनर का लोहा मनवाने में कामयाब रहे हैं । उन्होंने बाद में यह भी कहा ,'' यह मेरा घरेलू मैदान है और मैं दूसरों से बेहतर इसे जानता हूं ।''

सुविचार

निंदा उसी की होती हैं
जो जिंदा है, मरने के बाद
तो सिर्फ तारीफ होती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पौधे को पेड़ बनाने का संकल्प लें

स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी का 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए यह कहना कि उनका देश भी ऐसी पहल पर विचार कर सकता है, से पता चलता है कि उक्त अभियान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ रहा है। यह अभियान इस मायने में अनूठा है कि इससे मां और धरती मां, दोनों के साथ जुड़ाव मजबूत होता है। इसमें ममता और पर्यावरण के लिए जागरूकता का ऐसा समावेश है, जो अन्यत्र बहुत कम पाया जाता है। आज जिस तरह जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, वायु प्रदूषण समेत विभिन्न पर्यावरणीय चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं, उनके मद्देनज़र ऐसे अभियान की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। लोगों में पर्यावरण को लेकर जागरूकता आई है, लेकिन ऐसे अभियान की जरूरत महसूस की जा रही थी, जो हर उम्र के लोगों को पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित करे। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में वह सामर्थ्य है। यह मां के प्रति प्रेम एवं सम्मान को तो बढ़ाएगा ही, प्रकृति की सेवा के रास्ते भी खोलेगा। अब जरूरत इस बात की है कि इसमें हर वर्ग की भागीदारी बढ़ाई जाए। विद्यार्थियों, युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक, हर उम्र के लोगों को इसमें शामिल किया जाए। प्राय: पौधे लगाने से संबंधित अभियानों में दो दिक्कतें आती हैं- पहली, लोग यह तो जानते हैं कि पौधे लगाना अच्छी बात है, लेकिन ख़ुद नहीं लगाना चाहते। वे दूसरों से उम्मीद करते हैं कि खूब पौधे लगाएं। हां, अगर सोशल मीडिया पर ऐसी फोटो आ जाए तो वे उसे 'लाइक' कर आगे बढ़ जाते हैं। दूसरी, कई लोग पौधे तो लगा देते हैं, अपनी फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देते हैं, जहां उन्हें सराहना मिलती है, लेकिन इसके बाद वे उस पौधे की सुध नहीं लेते। अगर वह पौधा विभिन्न चुनौतियों से जूझकर पेड़ बन जाए तो उसे लगाने वाले की 'वाह-वाह' होती है। अगर सूखकर दम तोड़ दे तो कोई पूछने वाला नहीं होता।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को सफल बनाना है तो इन दोनों दिक्कतों को दूर करना होगा। लोगों को पौधे लगाने और उनकी लगातार देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। यह थोड़ा मुश्किल जरूर है, लेकिन असंभव नहीं है। इसके लिए स्कूलों, कॉलेजों, दफ्तरों और संस्थानों में क्लब बनाए जा सकते हैं। इसके तहत हर पौधे का पंजीकरण किया जाए। उसकी फोटो का रिकॉर्ड रखा जाए। इसके बाद समय-समय पर पौधे की देखभाल और पोषण से संबंधित जानकारी ली जाए। संबंधित व्यक्ति को मोबाइल फोन पर संदेश भेजे जा सकते हैं। यही नहीं, हर पौधे को एक नाम दिया जा सकता है, जैसे परिवार के किसी सदस्य को दिया जाता है। इससे लोगों के मन में उसके साथ जुड़ाव और गहरा होगा। जो बच्चे एक या दो पौधे लगाएं, उनकी उचित तरीके से देखभाल करें, उन्हें परीक्षा परिणाम में कुछ अंकों का लाभ दिया जाए। चूंकि वे पर्यावरण को बेहतर बनाने में योगदान दे रहे हैं, इसलिए इनाम के हकदार हैं। किसी अभियान का बगैर प्रोत्साहन के आगे बढ़ना बहुत मुश्किल होता है। प्राय: ऐसा माना जाता है कि जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, वायु प्रदूषण जैसी समस्याओं का समाधान करना सरकार का काम है। हालांकि इन समस्याओं की चपेट में हर वर्ग आ रहा है। इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी है कि एकजुट होकर मैदान में उतरें और अपने भविष्य को बेहतर बनाएं। पिछले साल जब मई-जून में तापमान के रिकॉर्ड टूट रहे थे, तब सोशल मीडिया पर यह मुद्दा बहुत चर्चा में था। लोगों को पेड़-पौधों की जरूरत महसूस हो रही थी। जैसे ही मानसून आया, वह मुद्दा ठंडा पड़ गया। अब 'वे ही दिन' वापस आने वाले हैं। इस बार हमें कम-से-कम एक पौधा लगाकर उसे पेड़ बनाने का संकल्प जरूर लेना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

कोटा स्थित कार्यालय पर कोटा-बून्दी के परिजनों से भेंट कर उनकी समस्याएं एवं जनहित से जुड़े मुद्दे सुने, तथा संबंधित मामलों के शीघ्र समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। क्षेत्रवासियों से सीधे संवाद से न केवल शिकायतों का त्वरित निवारण संभव होता है।

-ओम बिरला

मानवता के सच्चे सेवक महात्मा फुले को उनकी जयंती पर सादर नमन। उन्होंने समाज के शोषित और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। देश के लिए उनका अमूल्य योगदान हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

-नरेन्द्र मोदी

श्री हनुमान जन्मोत्सव से पूर्व आज जयपुर स्थित चिंताहरण काले हनुमानजी मंदिर में एकादश कुण्डात्मक सात दिवसीय हनुमत महायज्ञ में सहभागिता कर आहुति दी और समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

भारत की आत्मा

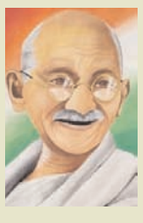

एक बार महात्मा गांधी और ठक्कर बाप्पा उड़ीसा में एक छोटे से स्टेशन पर रेलगाड़ी की प्रतीक्षा में थे कि एक बुज़ुर्ग आदिवासी आया और घुटने टेककर गांधीजी के चरण छूने लगा। गांधीजी उसे अपलक देखते रहे। उसने केवल एक लंगोटी पहन रखी थी और उसके शरीर में बस पसलियां ही पसलियां दिखाई दे रही थीं। कमर से उसने एक पैसा निकाला और महात्मा जी के पैरों के पास भावुक होकर रख दिया। गांधीजी की आंखें चमक उठीं। 'क्यों? यह पैसा क्यों रखा?' उन्होंने प्रश्न किया। 'देव-दर्शन को जाते हैं तो कुछ भेंट चढ़ाने तो ले ही जाते हैं ना?' वह बोला। 'अब क्या करूं?' गांधीजी ने कुछ सोचा, फिर उन्होंने विनम्रतापूर्वक वह पैसा ले लिया और पास बैठे हुए उड़ीसा के निस्वार्थ समाजसेवक गोपबंधु दास से बोले, 'देखो गोपबंधु, यही है भारत की आत्मा। इसका शरीर दुर्बल है, पर आत्मा बहुत बलवान है।' गोपबंधु दास जी ने इस प्रसंग का उल्लेख अपने लेखों तथा विविध उदबोधनों में कई बार किया है।

सामयिक

राणा के बहाने पाकिस्तान का पूरा आतंकी सच उजागर हो

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

मुंबई में भीषण, खौफनाक एवं दर्दनाक आतंकी हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल रहने वाले पाकिस्तान मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाया जाना किसी उपलब्धि से कम नहीं है, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कूटनीतिक जीत एवं भारत की कानून की बड़ी सफलता है। लगभग 170 लोगों की दर्दनाक मौत, क्रूरता एवं अमानवीयता का डरावना मंजर एवं देशवासियों की आंखों को गमगीन करने वाले इस आतंकी हमले के मास्टरमाइंड राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिये एक उजली किरण बनकर प्रस्तुत हुई है। 26-11-2008 एक ऐसी डरावनी तारीख है जिसे याद करके देशवासी सिहर जाते हैं। दहशत की तस्वीरें आंखों के सामने आ जाती हैं। यह तारीख मुम्बई के पुराने घाव को न केवल कुरेदती है बल्कि टीस भी पैदा करती है कि 150 करोड़ का यह देश अब तक क्यों नहीं राणा का प्रत्यर्पण कराकर उसे दर्दनाक सजा दे पाया। अब राणा के भारत के शिकंजे में आ जाने से 26-11 के घावों पर कुछ मरहम लगेगा क्योंकि मुम्बई एवं देश आज भी जख्मों का हिसाब मांगती है।

देर आये दुरस्त आये की कहावत को चरितार्थ करते हुए अब देश का खतरनाक दुश्मन हाथ आ गया है तो उसे ऐसी सजा दी जाये कि न केवल पाकिस्तान, पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एवं दुनिया में आतंक फैलाने वाले सहम जाये कि भविष्य में ऐसी घटना करने का दुस्साहस न कर सके। यह तो तय है कि राणा से पूछताछ में कई राज खुलेंगे, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि क्या उसे फांसी की सजा देना संभव होगा? भारत सरकार को ऐसे कूटनीतिक एवं साहसिक प्रयत्न करने होंगे, जिससे उसे फांसी की सजा देना संभव हो सके और वह भी कम से कम समय में। मुंबई हमले के दौरान पकड़े गए आतंकी अजमल कसाब को सजा देने में चार साल लग गए थे। इतनी देरी राणा के मामले में नहीं होनी चाहिए। यह ऐसा मामला है, जिस पर देश के साथ दुनिया की भी निगाह होगी। राणा की सजा से ही भारत के न्यायतंत्र की त्वरता एवं तत्परता सामने आयेगी। क्योंकि खूंखार आतंकियों को सजा देने में देरी से आतंक से लड़ने की प्रतिबद्धता पर प्रश्नचिह्न टंकते है।

17 साल बाद आज भी महानगर मुम्बई की वह काली रात एवं गोलियों की गूंज से सब दहल उठते है, सहम जाते हैं। उस दिन पाक प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने एक साथ कई जगहों पर हमला किया। लियो पोल्र्ड कैफे और छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से शुरू हुआ मौत का दर्दनाक तांडव ताजमहल होटल में जाकर खत्म हुआ। जिसमें आतंकवाद निरोधक दस्ते यानि एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे, मुम्बई पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त अशोक कामटे और पुलिस इंस्पैक्टर विजय सालस्कर शहीद हुए। आतंकवादी कसाब को जिन्दा पकड़ने वाले साहसी सब इंस्पैक्टर तुकाराम को कौन भुला सकता है, जो एक दूसरे आतंकवादी की गोलियों का शिकार होकर भी, जान की बाजी लगाकर कसाब को पकड़ने में सफलता पायी, भले ही इस एकमात्र पाकिस्तानी आतंकवादी कसाब को सजा-ए-मौत दी गई लेकिन इस हमले ने क्रूरता के जो निशान छोड़े वे आज भी मुम्बई में मौजूद हैं, भारत के जन-जन के हृदय पटल पर अंकित है।

कौन नहीं जानता कि तहव्वुर राणा ने दाऊद सईद गिलानी यानि डेविड कोलमैन हेडली के साथ मिलकर हमले की साजिश रची थी। डेविड हेडली ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मुम्बई में फर्स्ट वर्ल्ड इमीग्रेशन सर्विसिज के नाम से एक कम्पनी का कार्यालय खोला और खुद को बिजनेसमैन के रूप में पेश किया। धीरे-धीरे उसने फिल्म जगत में नामी-गिरामी हस्तियों से जान-पहचान बढ़ाई। भारत यात्रा के दौरान उसने मुम्बई एवं देश के अन्य हिस्सों की रेकी की जहां पर हमला किया जाना था। पाकिस्तानी पिता और अमरीकी माँ की औलाद हेडली अमरीका में एक समय रंगीन ज़िन्दगी गुज़ार चुका था जिसके दौरान ड्रग्स की तस्करी के लिए उसे जेल भी हुई थी। भारत ने हेडली के प्रत्यर्पण के लिए भी अनुरोध किया था, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने उसे छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि कई मामलों और डेनमार्क में एक हमले की नाकाम साजिश सहित 12 आतंकवाद से संबंधित आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार की थी। उसने लश्कर, आईएसआई और अलकायदा के राज अमेरिका को बताए तब से ही हेडली अमेरिका की सम्पत्ति बन गया है। फिलहाल हेडली का अमेरिका में सुरक्षित रहना बड़े सवाल खड़े करता है। इस बीच भारत ने राणा को मोस्ट वॉन्टेड घोषित कर दिया और 28 अगस्त 2018 भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने, युद्ध छेड़ने, हत्या, जालसाजी और आतंकवादी हमले के आरोपों पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अब सवाल यह है कि अमेरिका ने राणा को तो भारत के हवाले कर दिया लेकिन वह डेविड हेडली के मामले में क्यों खामोशहै?

राणा को भारत लाया जाना, भारत के शिकंजे में आना भारत की बहुत बड़ी कूटनीतिक जीत है। राणा पाकिस्तानी सेना का पूर्व अधिकारी है। चूंकि उसने आतंकी संगठन लश्कर एवं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से मिलकर मुंबई हमले की साजिश रची थी, इसलिए उससे गहन पूछताछ करके पाकिस्तान को नए सिरे से न केवल बेनकाब करना होगा, बल्कि उस पर इसके लिए दबाव भी बनाना होगा कि वह मुंबई हमले के अन्य गुनहगारों को भी दंडित करे। इस हमले के गुनहगार पाकिस्तान में खुले घूम रहे हैं। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को भारत भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि राणा ने कई हथकंडे अपनाए लेकिन अमेरिकी अदालतों में उसकी सारी याचिकाएं ठुकरा दी गईं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की यह आज तक की सबसे बड़ी जीत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इसके लिए कूटनीतिक प्रयास करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भारत विश्व के सर्वाधिक पाकिस्तान पोषित आतंकवाद प्रभावित देशों में से एक है। 26-11 के मुंबई हमलों के अलावा 2008 में ही जयपुर विस्फोट, काबुल में भारतीय दूतावास के अलावा अहमदाबाद, दिल्ली और असम के विस्फोट भी शामिल थे। यह संतोषजनक तो है कि अमेरिका ने देर से सही, राणा को भारत को सौंप दिया। यदि ट्रंप फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं बनते तो शायद राणा को भारत लाना और मुश्किल होता। जो भी हो, भारत को केवल इतने से ही संतोष नहीं करना चाहिए कि अंततः एक बड़ा आतंकी उसके हाथ लग गया। भारत को देश के अन्य शत्रुओं एवं आतंकियों को भी दंडित करने-कराने के प्रति प्रतिबद्ध रहना होगा। उन्हें और पाकिस्तान सरीखे उनके आकाओं को यह संदेश नए सिरे से देना होगा कि भारत अपने दुश्मनों को न तो भूलता है और न माफ करता है।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत है, लेकिन इसे आतंकवाद के खिलाफ एक छोटा पडाव मानते हुए अभी कई मोर्चें पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू हुआ है। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। राणा के बहाने पाकिस्तान के मनसूंबों को बेनकाब करना ज्यादा जरूरी है, इससे कई राज खुलने और जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इस हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश भी जाने एवं दुनिया भी समझे, तभी राणा का भारत आना सफल एवं सार्थक होगा।

नजरिया

राम भक्त हनुमान सिखाते हैं जीवन जीने की कला

संदीप सृजन
मोबाइल : 9406649733

हनुमान जी भारतीय संस्कृति और धर्म में एक अद्वितीय स्थान रखते हैं। रामायण के इस महान पात्र को न केवल एक शक्तिशाली योद्धा और भक्त के रूप में जाना जाता है, बल्कि वे एक ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व भी हैं जो हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। उनकी कहानियाँ, उनके गुण और उनका चरित्र हमें यह समझाते हैं कि जीवन की चुनौतियों का सामना कैसे करना चाहिए, अपने कर्तव्यों को कैसे निभाना चाहिए और एक संतुलित, सार्थक जीवन कैसे जीना चाहिए। हनुमान जी के जीवन से हमें जो शिक्षाएँ मिलती हैं, वे आज के आधुनिक युग में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी प्राचीन काल में थीं।

निष्ठा और समर्पण

हनुमान जी का सबसे प्रमुख गुण है उनकी भगवान राम के प्रति अटूट निष्ठा और समर्पण। रामायण में हनुमान जी का हर कार्य इस बात का प्रमाण है कि वे अपने स्वामी की सेवा में पूर्णतः समर्पित थे। चाहे वह लंका में सीता माता की खोज हो, संजीवनी बूटी लाने का कठिन कार्य हो, या रावण की सेना से युद्ध करना हो, हनुमान जी ने कभी अपने कर्तव्य से मुँह नहीं मोड़ा। यह हमें सिखाता है कि जीवन में सफलता और संतुष्टि तभी मिलती है जब हम अपने लक्ष्यों, परिवार, और समाज के प्रति निष्ठावान रहते हैं। आज के समय में, जहाँ लोग अक्सर स्वार्थ और तात्कालिक सुखों के पीछे भागते हैं, हनुमान जी का यह गुण हमें याद दिलाता है कि असली शक्ति और आनंद अपने कर्तव्यों को निभाने में है। उदाहरण के लिए, एक छात्र जो अपने अध्ययन के प्रति समर्पित रहता है, एक कर्मचारी जो अपने काम के प्रति निष्ठा रखता है, या एक माता-पिता जो अपने बच्चों की परवरिश में पूरी मेहनत करते हैं-ये सभी हनुमान जी की निष्ठा से प्रेरणा ले सकते हैं। जीवन में जब हम किसी उद्देश्य के प्रति समर्पित होते हैं, तो वह हमें एक दिशा देता है और हमारे कार्यों को सार्थक बनाता है।

विनम्रता के साथ शक्ति

हनुमान जी की शक्ति का कोई मुकाबला नहीं था। वे पहाड़ उठा सकते थे, समुद्र लाँघ सकते थे, और राक्षसों की विशाल सेनाओं को परास्त कर सकते थे। लेकिन उनकी सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे अपनी शक्ति का कभी अहंकार नहीं करते थे। वे हमेशा नम्र बने रहे और अपनी शक्ति का उपयोग केवल दूसरों की भलाई के लिए किया। सुंदरकांड में जब वे लंका पहुँचते हैं, तो वे अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के बजाय पहले स्थिति को समझते हैं और फिर उचित कदम उठाते हैं। यह हमें सिखाता है कि शक्ति तभी सार्थक है जब वह नम्रता के साथ हो। आज के समाज में लोग अक्सर अपनी सफलता, धन, या प्रभाव का दिखावा करते हैं, लेकिन हनुमान जी हमें बताते हैं कि असली ताकत वह है जो दूसरों की मदद के लिए इस्तेमाल की जाए। उदाहरण के तौर पर, एक नेता जो अपनी शक्ति का उपयोग जनता की सेवा के लिए करता है, या एक शिक्षक जो अपने ज्ञान को नम्रता से छात्रों तक पहुँचाता है, वे हनुमान जी के इस गुण को अपनाते हैं। हमारे जीवन में भी, चाहे हम कितने ही सफल क्यों न हों, नम्रता हमें जमीन से जोड़े रखती है और हमारे रिश्तों को मजबूत बनाती है।

साहस और आत्मविश्वास

हनुमान जी का जीवन साहस और आत्मविश्वास की मिसाल है। जब उन्हें लंका जाने का कार्य सौंपा गया, तो शुरू में वे संकोच में थे। लेकिन जामवंत के प्रोत्साहन से उन्होंने अपनी शक्ति को पहचाना और समुद्र को लाँघ कर लंका पहुँच गए। यह घटना हमें सिखाती है कि हमारे अंदर भी अपार संभावनाएँ छिपी हैं, बस हमें अपने आप पर विश्वास करने की जरूरत है। हनुमान जी ने यह भी दिखाया कि साहस का मतलब सिर्फ शारीरिक बल नहीं, बल्कि मन की दृढ़ता भी है। आधुनिक जीवन में कई बार हम मुश्किलों से घबरा जाते हैं,चाहे वह नौकरी में असफलता हो, पारिवारिक समस्याएँ हों, या व्यक्तिगत चुनौतियाँ। हनुमान जी हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने डर को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। उदाहरण के लिए, एक युवा जो नई नौकरी शुरू करने से डरता है, या एक उद्यमी जो व्यवसाय शुरू करने में हिचकिचाता है, वे हनुमान जी के साहस से सीख सकते हैं। आत्मविश्वास और साहस हमें न केवल मुश्किलों से लड़ने की ताकत देता है, बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाता है।

निस्वार्थ सेवा

हनुमान जी का जीवन निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। उन्होंने कभी भी अपने लिए कुछ नहीं माँगा। चाहे वह सीता माता को ढूंढना हो, लक्ष्मण के लिए संजीवनी लाना हो, या राम की सेना की मदद करना हो, हनुमान जी ने हमेशा दूसरों की भलाई को प्राथमिकता दी। उनकी यह निस्वार्थता हमें सिखाती है कि जीवन का असली सुख दूसरों की मदद करने में है। आज के स्वार्थी युग में यह गुण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। हम अक्सर अपने लाभ के बारे में सोचते हैं, लेकिन हनुमान जी हमें याद दिलाते हैं कि जब हम दूसरों के लिए कुछ करते हैं, तो वह न केवल समाज को बेहतर बनाता है, बल्कि हमें भी आंतरिक शांति देता है। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति जो जरूरतमंदों की मदद करता है, या एक स्वयंसेवक जो अपने समय को समाज सेवा में लगाता है, वह हनुमान जी की इस शिक्षा को जीता है। हमारे छोटे-छोटे प्रयास, थोड़ी प्रोत्साहित करना, किसी की सहायता करना भी निस्वार्थ सेवा का हिस्सा बन सकते हैं।

बुद्धिमत्ता और विवेक

हनुमान जी केवल शक्तिशाली ही नहीं, बल्कि अत्यंत बुद्धिमान और विवेकशील भी थे। लंका में उन्होंने अपनी बुद्धि का परिचय तब दिया जब वे सीता माता से मिले और उन्हें राम का संदेश पहुँचाया। उन्होंने स्थिति को भाँपकर सही समय पर सही कदम उठाया। रावण के दरबार में भी उनकी बुद्धिमत्ता और वाक्पटुता देखने लायक थी। यह हमें सिखाता है कि जीवन में केवल शक्ति या साहस ही काफी नहीं, बल्कि बुद्धि और विवेक का होना भी जरूरी है। आज के समय में, जहाँ हमें हर दिन कई निर्णय लेने पड़ते हैं, हनुमान जी का यह गुण हमें सही और गलत के बीच चयन करने में मदद कर सकता है। उदाहरण के तौर पर, एक व्यवसायी को अपने व्यापार में जोखिम और लाभ का आकलन करने के लिए विवेक चाहिए, या एक छात्र को अपनी पढ़ाई के लिए सही दिशा चुनने के लिए बुद्धि की जरूरत होती है। हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि भावनाओं में बहने के बजाय सोच-समझकर कदम उठाना चाहिए। हनुमान जी के जीवन की ये शिक्षाएँ केवल धार्मिक या आध्यात्मिक संदर्भ तक सीमित नहीं हैं। आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में ये हमें एक संतुलित और सकारात्मक दृष्टिकोण देती हैं।

निष्ठा हमें अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रखती है, नम्रता हमें अहंकार से बचाती है, साहस हमें चुनौतियों से लड़ने की ताकत देता है, निस्वार्थता हमें दूसरों के प्रति संवेदनशील बनाती है, और बुद्धि हमें सही मार्ग दिखाती है। हनुमान जी का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि हमें अपने अंदर की शक्ति को पहचानना चाहिए। जैसे जामवंत ने हनुमान जी को उनकी शक्ति का अहसास कराया, वैसे ही हमें भी अपने आसपास के लोगों और परिस्थितियों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। चाहे वह व्यक्तिगत जीवन हो, सामाजिक जिम्मेदारियाँ हों, या कैरियर की चुनौतियाँ-हनुमान जी की शिक्षाएँ हर क्षेत्र में हमारा मार्गदर्शन कर सकती हैं। हनुमान जी एक ऐसे व्यक्तित्व हैं जो हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। उनकी निष्ठा, नम्रता, साहस, निस्वार्थता और बुद्धि हमें यह समझाती है कि एक सार्थक जीवन कैसे जिया जा सकता है। वे हमें बताते हैं कि शक्ति का असली मतलब दूसरों की भलाई में है, और साहस का मतलब अपने डर को हराने में है। आज के समय में, जब हम तनाव, प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता से घिरे हैं, हनुमान जी का जीवन और उनकी शिक्षाएँ एक प्रकाश स्तंभ की तरह हमें सही रास्ता दिखाती हैं। यदि हम उनके इन गुणों को अपने जीवन में अपनाएँ, तो न केवल हमारा जीवन बेहतर होगा, बल्कि हम अपने आसपास के लोगों के लिए भी प्रेरणा बन सकते हैं। हनुमान जी का आशीर्वाद हमें हमेशा प्राप्त हो, और हम उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक संपूर्ण जीवन जी सकें।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता के लिए भारत अहम : ताजानी

नई दिल्ली/भाषा

इटली के उप प्रधानमंत्री एंटोनियो ताजानी ने शुक्रवार को कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता के लिए भारत एक अहम देश है। इटली के विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय की जिम्मेदारी भी संभाल रहे ताजानी व्यापार और निवेश सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आए हैं। उन्होंने ''इटली-भारत व्यापार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम'' को संबोधित करते हुए कहा, ''हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता के लिए भारत एक अहम देश है। व्यापार को मजबूत करने के लिए स्थिरता अत्यंत आवश्यक है।''

ताजानी ने कहा, ''इटली और भारत स्वाभाविक आर्थिक साझेदार हैं। हम मिलकर उच्च शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान के माध्यम से भविष्य उन्मुख अपने सहयोग को मजबूत करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि इटली और भारत आज पहले से कहीं अधिक करीब हैं तथा इन संबंधों को और आगे बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं। उप प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम भारत में अधिक निवेश करना चाहते हैं, भारत को अधिक निर्यात करना चाहते हैं तथा इटली में अधिक भारतीय निवेश आकर्षित करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सुपर कंप्यूटर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, रक्षा कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें संयुक्त साझेदारी की संभावनाएं हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी द्वारा गत नवंबर में रियो डी जेनेरियो में हुई बैठक

के बाद घोषित 'संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना' का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कार्ययोजना में ठोस परिणामों के माध्यम से द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के उनके दृष्टिकोण को दर्शाया गया है, जिससे दोनों देशों को लाभ होगा।

जयशंकर ने यह भी कहा कि प्रस्तावित भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) अर्थव्यवस्थाओं, ऊर्जा संसाधनों और संचार के लिए ''वास्तव में नई वैश्विक धुरी'' का निर्माण करेगा। उन्होंने कहा कि भारत और इटली के बीच साझेदारी हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों, हमारी सभ्यताओं, संस्कृति और विरासत के प्रति सम्मान और सबसे बढ़कर एक स्थिर, नियम-आधारित और समृद्ध विश्व के लिए एक साझा दृष्टिकोण पर आधारित है।विदेशमंत्री ने कहा कि आज हम एक परिचित वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था में मिल रहे हैं, लेकिन इस व्यवस्था में बदलाव आ रहा है और यह अधिक जटिल और अप्रत्याशित होती जा रही है। उन्होंने कहा, ''यद्यपि हम महामारी, यूरोप, मध्य पूर्व और एशिया में जारी संघर्षों से उबर रहे हैं, हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमारी आपूर्ति श्रृंखलाएं अधिक नाजुक हैं तथा हमारा समुद्रीय पोत परिवहन अधिक बाधित है।''

जयशंकर ने कहा कि बाजार हिस्सेदारी पर नियंत्रण तथा आर्थिक गतिविधियों को हथियार बनाए जाने के कारण ''भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा'' बढ़ गई है। उन्होंने कहा, ''वास्तव में, विनिर्माण का अति-संकेन्द्रण और आपूर्ति श्रृंखलाओं की विश्वसनीयता आज प्रमुख चिंता का विषय बन गई है।''

तहव्वुर राणा ने मुंबई हमले के बाद हेडली से कहा था: 'भारतीयों का यही हश्र होना चाहिए'

वाशिंगटन/न्यूयॉर्क/भाषा

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा ने कथित तौर पर कहा था कि भारतीयों का ''यही हश्र होना चाहिए''। उसने हमले के दौरान मारे गए लश्कर-ए- तैयबा के नौ आतंकवादियों की सराहना करते हुए उन्हें पाकिस्तान का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार ''निशान-ए-हैदर'' दिये जाने की हिमायत की थी। अमेरिकी न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। अमेरिका ने बुधवार को पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर हुसैन राणा को भारत में मुकदमे का सामना करने के लिए प्रत्यर्पित कर दिया। उस पर, 2008 के मुंबई आतंकी हमले में कथित भूमिका से जुड़े 10 आपराधिक आरोप हैं। इस हमले में छह अमेरिकी सहित 166 लोग मारे गए थे।

न्याय विभाग ने एक बयान में कहा, ''राणा का प्रत्यर्पण उन छह अमेरिकियों और अन्य पीड़ितों के लिए न्याय पाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो इस जघन्य हमले में मारे गए थे।''

भारत का आरोप है कि राणा ने अपने बचपन के दोस्त (डेविड) हेडली को लश्कर ए तैयबा के संभावित हमला स्थलों की टोह लेने के लिए मुंबई की बेरोकटोक यात्रा करने में मदद की थी। बयान के अनुसार, हमले के बाद, राणा ने हेडली से कथित तौर पर कहा था कि भारतीयों का ''यही हश्र होना चाहिए।'' बयान में कहा गया है, ''हेडली के साथ बातचीत में राणा ने हमले में मारे गए लश्कर के नौ आतंकवादियों की कथित तौर पर सराहना करते हुए कहा था कि उन्हें लड़ाई में वीरता पदर्शित करने के लिए पाकिस्तान का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार-- 'निशान-ए-हैदर'-- दिया जाना चाहिए, जो युद्ध में जान गंवाने वाले सैनिकों को दिया जाता है।''

भारत का आरोप है कि हेडली ने पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के सदस्यों से प्रशिक्षण प्राप्त किया था और वह मुंबई हमले की साजिश रचने में आतंकवादी संगठन के साथ सीधे संपर्क में था।

राणा अपने आव्रजन व्यवसाय की मुंबई शाखा खोलने और हेडली को कार्यालय का प्रबंधक नियुक्त करने के लिए सहमत हुआ, जबकि हेडली के पास आव्रजन संबंधी कामकाज का कोई अनुभव नहीं था। दो अलग-अलग मौकों पर, राणा ने हेडली को वीजा आवेदन तैयार करने और इसे भारतीय अधिकारियों को सौंपने में कथित तौर पर मदद की थी। बयान में कहा गया है, ''दो साल से अधिक समय तक हेडली ने शिकागो में राणा से कई बार मुलाकात की और लश्कर-ए-तैयबा की ओर से ली गई टोह संबंधी गतिविधियों, हेडली की गतिविधियों पर लश्कर-ए-तैयबा की प्रतिक्रियाओं और मुंबई हमले के लिए लश्कर-ए-तैयबा की संभावित गतिविधियों के बारे में जानकारी दी थी।''

वर्ष 2008 में 26 से 29 नवंबर के बीच लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने मुंबई में 12 समन्वित हमलों को अंजाम दिया था।

बयान के अनुसार, ''ये हमले भारत में हुए सबसे भयानक और विनाशकारी हमलों में से एक थे।''

अमेरिकी न्याय विभाग के बयान में यह भी कहा गया है कि राणा के खिलाफ भारत की लंबित कार्यवाही पहली कार्यवाही नहीं है, जिसमें उस पर आतंकवाद को अंजाम देने की साजिश रचने का आरोप है।

एकता कपूर ने 'द डर्टी पिक्चर' के लिए लिया था रिस्क

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी फिल्मकार एकता आर कपूर ने अपनी सुपरहिट फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' बनाने के लिये रिस्क लिया था। एकता कपूर ने हाल ही में 'वेव्स' इवेंट में अपनी सुपरहिट फिल्म द डर्टी पिक्चर को लेकर एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया, जिसमें विद्या बालन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। विद्या बालन ने द डर्टी पिक्चर में दक्षिण भारतीय अभिनेत्री सिल्क स्मिता का किरदार निभाया था। एकता कपूर ने इवेंट के दौरान खुलासा किया कि द डर्टी पिक्चर जब प्लान हो रही थी, तब कागज़ों पर उसका बजट करीब 1012 करोड़ रुपये तक ज़्यादा जा रहा था। इसके बावजूद उन्होंने रिस्क लेने का फैसला किया और कुछ समझदारी भरे कॉस्ट-कटिंग उपायों के साथ फिल्म को आगे बढ़ाया। द डर्टी पिक्चर ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की और विद्या बालन को इस फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

एकता कपूर ने कहा,मेरी एक फिल्म थी द डर्टी पिक्चर एक ऐसी महिला की कहानी थी जिसने पुरुष प्रधाान फिल्म इंडस्ट्री को चुनौती दी थी। ये एक सच्ची कहानी थी, लेकिन हम उसके राइट्स नहीं खरीद सके। तो हमने सोचा कि ऐसी और भी कई महिलाएं रही हैं, तो हम एक नया किरदार बनाएंगे। कागज़ों पर देखा जाए तो ये फिल्म 10 से 12 करोड़ रुपये का घाटा दिखा रही थी, तब के हिसाब से कई मिलियन का नुकसान। मुझे आज भी याद है, हमने सबसे पहले लागत कम करने की कोशिश की, और उस समय की तीन-चार बड़ी फिल्मों के सहारे इस फिल्म को बैलेंस करने की प्लानिंग की। लेकिन सबसे जरूरी बात ये थी कि हम बिना अपने इनवेस्टर्स को किसी खतरे में डाले, ऐसा कॉन्टेंट बनाना चाहते थे। क्योंकि मेरे लिए ये बहुत ज़रूरी था कि कंटेंट के चक्कर में कंपनी को डाउनसाइज़ न करना पड़े और किसी की नौकरी न जाए।

एकता कपूर ने बताया, हमने ये फिल्म इसलिए बनाई क्योंकि हमने तय किया था कि यदि घाटा होता भी है, तो हम खुद उसे बैलेंस करेंगे। बेहतर काम करके, ज़्यादा काम लेकर, और कमर्शियल प्रोजेक्ट्स से जिससे कंपनी की आर्थिक स्थिति पर असर न पड़े।

हाई लाइफ प्रदर्शनी में मिलेगा लेटेस्ट फैशन और स्टाइलिश एक्सेसरीज़ का शानदार कलेक्शन

चेन्नई/दक्षिण भारत। फैशन और लाइफस्टाइल में दिलचस्पी रखने वालों के लिए हाई लाइफ प्रदर्शनी शानदार सौगात लेकर आ रही है। उसका आयोजन 15 और 16 अप्रैल को हयात रिजेंसी में होगा। यहां लेटेस्ट फैशन, आकर्षक आभूषण और स्टाइलिश एक्सेसरीज़ का शानदार कलेक्शन देखने को मिलेगा। हाई लाइफ प्रदर्शनी में देश के टॉप डिज़ाइनरों द्वारा तैयार की गई खास रेंज प्रदर्शित की जाएगी। चाहे आप अपने वार्डरोब को अपडेट करना चाहते हों या स्टाइल को निखारने के लिए कुछ अनूठा खोज रहे हों, यह प्रदर्शनी हर फैशनप्रेमी की पसंद को पूरा करने का वादा करती है। हाई लाइफ न सिर्फ शॉपिंग का मौका देगी, बल्कि फैशन और खूबसूरती के नए आयाम पेश करेगी। इसके आयोजकों ने बताया कि यह प्रदर्शनी चेन्नईवासियों के लिए यादगार अनुभव होगी। फैशन के इस अनूठे जश्न का हिस्सा बनकर स्टाइल को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं।

स्मृति सिन्हा ने मराठी सिनेमा में रखा सफल कदम, 'मुसाफ़िरा' के लिए मिला बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री स्मृति सिन्हा को मराठी फिल्म 'मुसाफ़िरा' के लिए मिला बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड मिला है। स्मृति सिन्हा ने अपने अभिनय के दम पर एक बार फिर नया इतिहास रच दिया है। कई भोजपुरी फिल्मों में अभिनय कर चुकीं स्मृति सिन्हा को नासिक इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें उनकी पहली मराठी फिल्म 'मुसाफ़िरा' में निभाए गए प्रभावशाली अभिनय के लिए मिला है। फिल्म 'मुसाफ़िरा', जिसका निर्देशन पुष्कर जोग ने किया है, यह एक भावनात्मक और प्रेरणादायक कहानी है जो जीवन की यात्रा, दोस्ती और आत्म-खोज की भावना को बखूबी दर्शाती है। इस फिल्म में स्मृति सिन्हा के साथ मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता पुष्कर जोग, पूजा सावंत, पुष्कर्राज चिरपुटकर और दिशा परदेशी भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं।

फिल्म मुसाफिरा का निर्माण आनंद पंडित मोशन पिक्चर्स, ऐश मोशन पिक्चर्स, गूज बंप्स एंटरटेनमेंट और नितिन वैद्य प्रोडक्शंस के बैनर तले हुआ है। इस अवॉर्ड के साथ स्मृति सिन्हा भोजपुरी सिनेमा की पहली ऐसी अभिनेत्री बन गई हैं, जिन्हें मराठी सिनेमा में डेब्यू के लिए किसी प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल में सम्मान मिला हो। यह उपलब्धि सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के लिए भी गर्व की बात है।

स्मृति सिन्हा ने कहा, मराठी सिनेमा में मेरा यह पहला कदम था और मुझे नहीं लगा था कि यह इतना स्पेशल होगा। यह अवॉर्ड मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि यह न सिर्फ मेरी मेहनत को सराहता है, बल्कि मेरी भाषा और सांस्कृतिक सीमाओं से परे जाकर काम करने की क्षमता को भी मान्यता देता है। मैं इस फिल्म की पूरी टीम की आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे इतना खूबसूरत किरदार निभाने का मौका दिया।

मनोज बाजपेयी को लेकर हॉरर कॉमेडी फिल्म बनाएंगे राम गोपाल वर्मा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार राम गोपाल वर्मा, अभिनेता मनोज वाजपेयी को लेकर हॉरर कॉमेडी फिल्म बनाने जा रहे हैं। राम गोपाल वर्मा ने एलान किया है कि वह मनोज बाजपेयी के साथ फिर से काम करने जा रहे हैं। राम गोपाल वर्मा ने बताया कि वह मनोज वाजपेयी को लेकर हॉरर कॉमेडी फिल्म 'पुलिस स्टेशन में भूत है' बनाने जा रहे हैं। राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा,सत्या, कौन और शूल के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मैं और मनोज वाजपेयी एक बार फिर हॉरर कॉमेडी के लिए साथ आ रहे हैं, एक ऐसी शैली जो हम दोनों में से किसी ने नहीं की। मैंने हॉरर, गैंगस्टर, रोमांटिक, राजनीतिक ड्रामा, एडवेंचर कैपर्स, थ्रिलर आदि फिल्में की हैं, लेकिन कभी हॉरर कॉमेडी नहीं की। फिल्म का शीर्षक है,पुलिस स्टेशन में भूत। राम गोपाल वर्मा ने बताया कि फिल्म की टैग लाइन,आप मरे हुओं को नहीं मार सकते है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक वीएफएक्स, रोंगटे खड़े कर देने वाले डरावने प्रभावों के साथ, पुलिस स्टेशन में भूत एक मजेदार फिल्म होगी जो आपको डरा देगी।

चिरंजीवी स्टारर 'विश्वम्भर' के पहले गाने 'रामा रामा' का प्रोमो जारी

मुंबई/एजेन्सी

वशिष्ठ के निर्देशन में तैयार बहुप्रतीक्षित फिल्म 'विश्वम्भर' के निर्माताओं ने फिल्म 'रामा रामा' के पहले सिंगल का प्रोमो शुक्रवार को जारी कर दिया है। फिल्म में अभिनेता चिरंजीवी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्माण कर रही यूवी क्रिएशंस ने एक्स पर प्रोमो जारी करते हुए कैप्शन में लिखा, इस हनुमान जयंती पर आइए हम सब रामदूत बन जाएं और भगवान राम की महिमा का गुणगान करें। 'विश्वम्भर' का पहला सिंगल 'रामा रामा' का प्रोमो जारी हो चुका है। गाना 12 अप्रैल को सुबह 11 बजकर 12 मिनट पर जारी होगा। उन्होंने आगे बताया, गाने में संगीत एमएम कीरावनी ने दिया है। 'सरस्वती पुत्र' रामजोगय्या शास्त्री ने इस गाने के बोल लिखे हैं। शंकर महादेवन ने गाने को अपनी आवाज दी है और कोरियोग्राफ शोबी पॉलराज और ललित शोबी ने किया है।

भक्ति गीत 'रामा रामा' के प्रोमो में चिरंजीवी भगवान हनुमान की पोशाक पहने कई बच्चों से घिरे हुए दिखाई दिए। पृष्ठभूमि में भगवान राम की एक भव्य प्रतिमा है। अभिनेता एक बच्चे को गोद में लिए हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में चिरंजीवी हनुमान की पोशाक पहने बच्चों से घिरे हुए हैं, पृष्ठभूमि में भगवान राम की एक भव्य मूर्ति है। अपनी ब्लॉकबस्टर डेब्यू 'बिम्बिसार' से अमिट छाप छोड़ने वाले निर्देशक वशिष्ठ ने 'विश्वम्भर' को एक शानदार फिल्म बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। निर्देशक ने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया है कि वह इस फिल्म को अब तक का अपना सबसे महत्वाकांक्षी और प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट मानते हैं। इस फिल्म में चिरंजीवी के साथ तृषा कृष्णन, आशिका रंगनाथ मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म में कुणाल कपूर भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म में सिनेमैटोग्राफी छोटा के. नायडू की है, जबकि एएस प्रकाश प्रोडक्शन डिजाइनर हैं। फिल्म का संपादन कोटागिरि वेंकटेश्वर राव और संतोष कामिरेड्डी ने किया है, जबकि फिल्म के संवाद साईं माधव बुर्रा ने लिखे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस

अभिनेता अक्षय कुमार, अभिनेत्री अनन्या पांडे, फिल्म निर्माता और निर्माता करण जौहर, और अन्य शुक्रवार को मुंबई में आगामी फिल्म केसरी चैप्टर 2 के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस में।

स्टेज ने लॉन्च किया 'हुकुम' का म्यूज़िक

जयपुर/एजेन्सी

देश के प्रमुख क्षेत्रीय ओटीटी प्लेटफॉर्म स्टेज ने बुधवार को राजस्थान की राजधानी जयपुर में अपनी राजस्थानी फिल्म हुकुम का म्यूज़िक लॉन्च किया। इस अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में इंडियन आइडल फेम स्वरूप खान ने फिल्म का टाइटल ट्रैक पेश किया, जिसमें उनकी एनर्जी और आवाज़ से दर्शक थिरक उठे। इस गाने ने फिल्म की भव्यता और एक्शन थ्रिलर को पूरी तरह पेश किया। ठरकी छोकरो (पीके) और घूमर (पद्मावत) जैसे हिट्स के लिए मशहूर स्वरूप खान ने हुकुम के म्यूज़िक को भी अलग ही स्तर पर पहुंचाने का प्रयास किया है। इस मौके पर दो गाने लॉन्च किए गए जिनमें हुकुम टाइटल ट्रैक और राज दुलारी (लोरी) जो फिल्म की भावनाओं को दर्शाते हैं। इस फिल्म में भेरोगंज के वीरान इलाकों में एक हेलमेट पहने रहस्यमयी व्यक्ति (किलर) का मकसद है अपराध की दुनिया के बेताज बादशाह 'हुकुम' को खत्म करना। निर्दयी और खतरनाक हुकुम सिर्फ एक खलनायक नहीं बल्कि एक पूरा सिस्टम है।

जब धोखा और बदला एक साथ आते हैं तो एक आदमी के अतीत का सब कुछ बिगाड़ सकते हैं। हुकुम 12 अप्रैल से केवल स्टेज पर स्ट्रीम होगी। स्वरूप खान के अलावा दूसरा गाना, राज दुलारी (लोरी) जिसे अमरेश सिन्हा ने गाया है, एक दिल को छू लेने वाली लोरी है, जो माता-पिता और बच्चों के बीच के रिश्ते की गहराई को बयां करती है। यह गाना इस फिल्म की आत्मा है। फिल्म बनाते समय यह महसूस किया गया कि राजस्थानी में एक ऐसी लोरी की कमी है जिसे माता-पिता रोज अपने बच्चों को सुना सकें, ऐसे में इसे लिखा गया। हिमांशु के बोलों में हर वो बात है जो एक मां या पिता अपने बच्चे से कहना चाहते हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, यह लोरी भी एक गहरे, भावनात्मक रूप में बदलती है जहां प्यार और विरह दोनों साथ चलते हैं। दोनों गानों को म्यूज़िक डायरेक्टर आदम्य परिहार ने तैयार किया है। उनके साथ कंपोज़र्स हिमांशु किरण शर्मा, कामिल हुसैन, और म्यूज़िक प्रोड्यूसर्स सौरभ हजारे और खुद आदम्य परिहार ने मिलकर संगीत को फिल्म की आत्मा से जोड़ा है। फिल्म का निर्देशन पंकज सिंह तंवर ने किया है जो पिता, रीस और राजस्थान की पहली वेब सीरीज़ सरपंच जैसे प्रोजेक्टस के लिए जाने जाते हैं।

इस अवसर पर स्टेज के को-फाउंडर और सीईओ विनय सिंघल ने कहा कि स्टेज का मिशन स्पष्ट है, हर भारतीय बोली को उसका मंच देना। यही वजह है कि हम 'हुकुम' जैसी फिल्म ला रहे हैं, जो राजस्थानी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देती है।

बच्चों के अधिकारों और जिम्मेदार डिजिटल पेरेंटिंग के लिए अभियान चलाएंगी नेहा धूपिया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री ,पूर्व मिस इंडिया और सामाजिक कार्यकता नेहा धूपिया ने ज़िम्मेदार डिजिटल पेरेंटिंग को बढ़ावा देने और बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने के उद्देश्य से,असम पुलिस और एक फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया है। यह कदम जिसे असम पुलिस ने शुरू किया था, अब एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है। यह अभियान सोशल मीडिया पर बच्चों की निजी जानकारी अधिक साझा करने के खतरों और माता-पिता द्वारा सतर्क डिजिटल व्यवहार अपनाने की आवश्यकता को उजागर करता है। नेहा धूपिया, जो पेरेंटिंग और ऑनलाइन सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए जानी जाती हैं, इस अभियान से जुड़कर परिवारों को डिजिटल ज़िम्मेदारी अपनाने के लिए प्रेरित करेंगी। नेहा धूपिया ने कहा,एक मां होने के नाते, मैं समझ सकती हूं कि अपने बच्चों की उपलब्धियां ऑनलाइन साझा करने की खुशी क्या होती है। लेकिन हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए ,कितना ज़्यादा हो जाता है। यह अभियान हमें यह याद यह दिलाने के लिए है कि हमें न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि डिजिटल रूप से भी अपने बच्चों की सुरक्षा करनी चाहिए। अब इस अभियान को और विस्तार दिया जाएगा, जिसके तहत जागरूकता वीडियो, पब्लिक सर्विस अनाउंसमेंट और स्कूलों एवं समुदायों में शैक्षिक कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।इसके अलावा, इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ाने की योजना है। असम पुलिस और यह फाउंडेशन इस पहल का नेतृत्व जारी रखेंगे, जिससे बच्चों के डिजिटल अधिकारों और ज़िम्मेदार पेरेंटिंग पर जागरूकता बढ़ाई जा सके।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शनिवार | 12-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के जैन युवा संगठन(जेवाईएस) द्वारा प्रभु महावीर के 2624वें जन्मकल्याणक महोत्सव के मौके पर फ्रीडम पार्क में गुरुवार को सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत आदिनाथ चरित्र एवं भक्तामर स्त्रोत एक दिव्य प्रस्तुति दी गई।

आज हनुमान सेवा समिति का गोड़वाड़ भवन में आयोजित है 'हनुमान जन्मोत्सव'

- विशेष कारीगरों द्वारा सजाया गया है वीर हनुमान का दरबार
- शहर की विभिन्न सभा संस्थाएं जुड़ी हैं कार्यक्रम से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की जानी मानी संस्था हनुमान सेवा समिति अपनी 30वीं वार्षिक प्रस्तुति के रूप में शनिवार 12 अप्रैल को गोड़वाड़ भवन में 'श्री हनुमान जन्मोत्सव' का आयोजन कर रही है। महोत्सव की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। समिति के मदन माहेश्वरी ने बताया कि शनिवार को अपराह्न 2.30 बजे से सभा स्थल पर संगीतमय सुन्दरकांड का पाठ रखा गया है जिसमें जसवंतगढ़ नागरिक परिषद के हरिकिशन सारड़ा और उनकी टीम द्वारा संगीतमय सुन्दरकांड का पाठ होगा। हरिकिशन सारड़ा बेंगलूरु के जानेमाने भजन गायक हैं । शाम को 5.30 बजे से इस वर्ष बेंगलूरु के उभरते गायक प्रभात करनाणी व कोलकाता के सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रकाश मिश्रा इस आयोजन में हनुमानजी के भजनों की प्रस्तुति देंगे। रात्रि 9 बजे मंगल आरती व महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए हनुमान सेवा समिति के साथ शहर की अनेक सामाजिक धार्मिक संस्थाएं, जैसे अग्रवाल समाज कर्नाटक, माहेश्वरी सभा, स्वास्तिक सेवा संघ, श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट, श्री गोपीकृष्ण संकीर्तन मंडल, राधिका मंडल, आरएलवी भक्त मंडल, श्री गुर्जर गौड़ समाज, सौरभ सांस्कृतिक संस्थान, श्याम दीवाने, आपणो परिवार , मारवाड़ी युवा मंच, नोखा नागरिक परिषद, जसवंतगढ़ नागरिक परिषद, विप्र फाउण्डेशन जोन 18, गौड़ ब्राह्मण संघ कर्नाटक, खांडल विप्र शाखा सभा, श्री सालासर बालाजी सेवा समिति, कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, श्री श्याम मंडल, श्री दादी धाम प्रचार समिति, मां शाकम्बरी सेवा समिति, श्री श्याम परिवार कीर्तन मंडल, श्री श्याम सखा परिवार, श्री श्याम सेवा संघ, माहेश्वरी महिला संगठन आदि जुड़ी हुई हैं ताकि सभी हनुमान भक्तों तक इस आयोजन की जानकारी पहुँचे और अधिक से अधिक श्रद्धालु हनुमान जन्मोत्सव में शामिल हो सकें। कार्यक्रम में श्री हनुमान जी की विशेष झांकी सजाई जाएगी। आयोजन से जुड़े विभिन्न सदस्यों ने शहर के सभी हनुमान भक्तों को सपरिवार व मित्र गणों के साथ हनुमान जन्मोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया है।

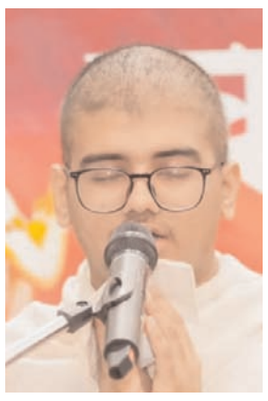

निज भावों में रमण करना भी चारित्र कहलाता है : मलयप्रभसागर

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में विराजित मलयप्रभसागरजी ने शाश्वती नवपदओली के आठवें दिन कहा कि संसार और मोक्ष के बीच जो पुल है उसका नाम चारित्र है। आठ कर्मों का नाश करना हो तो इस आठवें पद की आराधना हम सभी को करनी चाहिए। चारित्र बिना कोई मोक्ष नहीं जा सकता है। यह चारित्र दो प्रकार का होता है। प्रथम देश विरति जिसमें श्रावक जो छोटे नियम व्रत का पालन करता है और दूसरा सर्व विरति चारित्र जिसमें साधु 5 महाव्रतों का पालन करते हैं। राग और चारित्र में कट्टर शत्रुता है, दोनों में से कोई एक ही रह सकता है। चारित्र के लिए राग नहीं, वैराग्य चाहिए। विषयों का राग जब कम होता है तभी चारित्र की आराधना सरल रूप से हो सकती है। चारित्र यानी अशुभ क्रियाओं का त्याग और शुभ क्रियाओं का अप्रमत्त रूप से पालन करना और वही चारित्र कर्मक्षय का कारण है। निज भावों में रमण करना भी चारित्र कहलाता है। चारित्र के स्वीकार से रंक व्यक्ति भी वंदनीय हो जाता है। चारित्रवान तीनों लोकों के लिए पूज्य बन जाता है। मंगलवार को चैत्री पूर्णिमा के दिवस पर गुरुदेव द्वारा भव्य शत्रुंजय महातीर्थ की भाव यात्रा और चैत्री पूनम की आराधना करवाई जाएगी।

जन्मकल्याणक महोत्सव के तहत

आदिनाथ चरित्र एवं भक्तामर स्त्रोत की हुई प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन युवा संगठन(जेवाईएस) द्वारा प्रभु महावीर के 2624वें जन्मकल्याणक महोत्सव के मौके पर फ्रीडम पार्क में गुरुवार को सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत आदिनाथ चरित्र एवं भक्तामर स्त्रोत एक दिव्य प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन के पदाधिकारियों व अतिथियों के दीप प्रज्वलन से हुआ। संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत ने सभी का स्वागत किया। सांयकालीन भक्ति संध्या के मार्गदर्शक मीठालाल पावेचा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए गत 3 दशकों का अनुभव साझा किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में आईआरएस अधिकारी मुकेश गादिया उपस्थित थे। गादिया ने कहा कि प्रभु का संदेश आज भी जीवन में करणीय व प्रासंगिक है। उनके सिद्धांतों का वरण जीवनोपयोगी है। हर मानव अपने आप में सक्षम है केवल उसे उजागर करने हेतु प्रभु की वाणी माननी चाहिए। संगठन की पहल सदा युवा पीढ़ी को जोड़ते आई है।

इस मौके पर जन्मकल्याणक शोभायात्रा में प्रस्तुत झांकियों के विजेताओं की घोषणा की जिसमें प्रथम पुरस्कार रविवारिक धार्मिक पाठशाला अक्कीपेट को, द्वितीय पुरस्कार जीतो लेडीज़ विंग एवं तृतीय पुरस्कार वी-2 वैशाख अपार्टमेन्ट मैसूरु रोड को प्राप्त हुआ। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। महोत्सव के मौके पर संगठन द्वारा आयोजित वर्तमान में वर्धमान की आवश्यकता' पर आधारित रील प्रतिस्पर्धा में देश विदेश से लगभग 60 प्रविष्ठियां प्राप्त हुई। मीडिया चेयरमैन अभिषेक कावड़िया एवं हितेश कांकलिया ने विजेताओं की घोषणा की जिसमें प्रथम स्थान विधि एवं श्लोक नांदेशा ग्रुप, द्वितीय स्थान ईवा एवं दियू जैन ग्रुप एवं तृतीय स्थान नक्ष जैन टीम को प्राप्त हुआ और उन्हें पुरस्कृत किया गया। इचलकरंजी से आई मनाली मुणोत टीम ने 5% कलाकारों के साथ मिलकर ज्ञानवर्धक नाटिका की प्रस्तुति दी। संगठन द्वारा सभी कलाकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के चेयरमैन राजेश चावत ने संचालन किया व सहचेयरमैन रितेश पामेचा ने धन्यवाद दिया।

जीतो हुब्बल्ली ने जन्मकल्याणक शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को बांटी टोपियां

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत । शहर के जीतो चैप्टर द्वारा गुरुवार को भगवान महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर आयोजित शोभायात्रा में भाग लेने वाले भक्तों को गर्मी से राहत प्रदान करने व एकरूपता प्रदर्शन के उद्देश्य से सफेद टोपियां वितरित की। टोपी पहने हुए हज़ारों लोग ड्रोन की नजर से सड़क पर एक सफेद चादर ओढ़े नजर आ रहे थे। जीतो के इस प्रयास की सभी ने सराहना की। इस मौके पर जीतो हुब्बल्ली के अध्यक्ष अनिलकुमार जैन, मुख्य सचिव प्रवीण चौधरी, प्रकाश कोठारी, भरत पटवारी, पूरन नाहटा, पारस परमार, राजन जैन, भरत गुलेच्छा, आशीष नाहटा, सूरज जैन, नीरव मोमाया, गीता चेड्डा, रसीला कोठारी, प्रभा मुणोत, अंजू नाहटा, कविता बाफना, सेजल जैन, जलपा शाह आदि ने महावीर के अनुयायियों को शांति का प्रतीक रंग सफेद टोपियां वितरित कीं।

'राजकुमार वर्धमान ने प्रभु महावीर बनकर नारी जाति का उद्धार किया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महावीर धर्मशाला में वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ सेंट्रल के तत्वावधान में आचार्य पार्श्वचंद्रजी, पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में प्रवचन में जयधुरंधरमुनिजी ने राजकुमार वर्धमान ने प्रभु महावीर के जीवन चरित्र का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि राजकुमार वर्धमान ने प्रभु महावीर बनकर नारी जाति का उद्धार किया, दास प्रथा का अंत किया। प्रभु ने जातिवाद का डटकर प्रतिकार किया। भगवान महावीर के शासन में चारों ही वर्ण के क्षत्रिय, ब्राह्मण, वैश्य, शूद्र साधु थे। प्रभु महावीर सभी जीवों के लिए कल्याणकारी थे। जयपुरंदरमुनिजी ने कहा कि भगवान महावीर जो जन्म से वर्धमान और कर्म से महावीर थे। कोई भी जीव अपने जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। प्रभु महावीर ज्ञातकुल में जन्म लेने कारण ज्ञातपुत्र कहलाए। उत्तममति के धारक थे तो सन्मति कहलाए। प्रभु महावीर का महत्वपूर्ण विशेषण है श्रमण।

महासती इन्दुप्रभाश्री ने कहा कि भगवान महावीर का जन्म कल्याणक का शुभ दिवस आत्म कल्याण हेतु पुरुषार्थ करने की प्रेरणा देता है। तीर्थंकरों के पांच कल्याणक होते हैं जो इस बात को दर्शाते हैं कि चार गति का अंत करके प्रभु ने पंचम गति मोक्ष को प्राप्त किया। प्रभु महावीर के तीन महत्वपूर्ण सिद्धांत अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत दर्शन जिनशासन की नींव है एवं सम्पूर्ण विश्व को महान देन है। धर्म का मूल प्राण अहिंसा है। आचार्य पार्श्वचन्द्र ने आयंबिल एवं अन्य तपस्याओं के प्रत्याख्यान करवाए एवं मंगल पाठ प्रदान किया। बेंगलूरु सेंट्रल के मंत्री महेंद्र मुणोत (केजीएफ)ने संचालन किया। जेके महावीरचंद्र चोरड़िया ने बताया कि शनिवार को 9 दिवसीय आयंबिल ओली आराधना का समापन होगा।

उत्साहवर्धन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजयनगर यूनाइटेड स्पोर्ट्स एंड कल्चरल एसोसिएशन द्वारा हंपी नगर स्थित चंद्रशेखर आजाद खेल मैदान में पुनीत राजकुमार मेमोरियल कप फुटबॉल स्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें 15 से भी ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद एवं व्यायाम अति आवश्यक है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

नयनार नागेंद्रन तमिलनाडु भाजपा के नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नयनार नागेंद्रन का अगला पार्टी प्रदेश अध्यक्ष बनना लगभग तय हो गया है क्योंकि इस पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले वह एकमात्र उम्मीदवार हैं। नागेंद्रन को अगर निर्वाचित घोषित किया जाता है तो वह मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई का स्थान लेंगे। अन्नामलाई के बारे में माना जा रहा है कि द्रविड़ राजनीति के गढ़ में उनके उत्कृष्ट काम के लिए उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में कोई भूमिका दी जाएगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के कामकाज की समीक्षा करने और 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले गठबंधन संबंधी मामलों पर चर्चा करने के लिए चेन्नई में हैं। उन्होंने कहा कि अन्नामलाई ने ''सराहनीय उपलब्धियां'' हासिल की हैं। शाह ने सोशल मीडिया मंच पर कहा, तमिलनाडु भाजपा को प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए केवल नयनार नागेंद्रन का नामांकन प्राप्त हुआ है। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के रूप में के.अन्नामलाई ने सराहनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। चाहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाना हो या पार्टी के कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाना हो, अन्नामलाई जी का योगदान अभूतपूर्व रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा अन्नामलाई के संगठनात्मक कौशल का पार्टी के राष्ट्रीय ढांचे में लाभ उठाएगी।

नागेंद्रन वर्तमान में तमिलनाडु भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। इससे पहले वह ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) में थे। वे टी नगर में भाजपा के राज्य मुख्यालय 'कमलालयम' में पहुंचने वाले पहले उम्मीदवार थे और उन्होंने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नागेंद्रन के नाम का प्रस्ताव वर्तमान पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई, केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन, पूर्व केंद्रीय मंत्री पोन राधाकृष्णन और भाजपा विधायक एवं महिला मोर्चा अध्यक्ष वनाथी श्रीनिवासन ने रखा।

उल्लेखनीय है कि नैनार नागेंथिरन का राजनीतिक सफर लंबा और अनुभवों से भरा रहा है। वह 2001 में अन्नाद्रमुक के टिकट पर तिरुनेलवेली सीट से पहली बार विधायक बने थे। जयललिता के नेतृत्व वाली सरकार में उन्होंने परिवहन, उद्योग और बिजली जैसे अहम विभागों की जिम्मेदारी संभाली थी। वह 2011 में भी इसी सीट से जीतकर विधानसभा पहुंचे, लेकिन इस बार उन्हें मंत्री पद नहीं दिया गया। इसके अलावा 2006 और 2016 के विधानसभा चुनावों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। जयललिता की मृत्यु के बाद 2017 में नागेंथिरन भाजपा में शामिल हो गए।

नैनार नागेंथिरन ने प्रदेश भाजपा में तेजी से अपनी पकड़ बनाई। साल 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने फिर से तिरुनेलवेली सीट से जीत दर्ज की और उन्हें विधानसभा में भाजपा विधायक दल का नेता नियुक्त किया गया। इसके अलावा वह 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में भी किस्मत आजमा चुके हैं, हालांकि दोनों ही बार उन्हें जीत हासिल नहीं हो सकी।

ज्ञान और क्रिया के अनुपम संगम हैं आचार्य रामेश : साध्वी स्वागतश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर के बिन्नीपेट स्थित अपार्टमेन्ट के सभागार में वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ पार्क वेस्ट के तत्वावधान में आयोजित आचार्यश्री रामेश का 3%वां जन्मोत्सव दो-दो सामायिक के साथ मनाया गया। साध्वी स्वागतश्रीजी ने गुरु की अपार महिमा बताते हुए कहा कि जब तक जीवन में गुरु नहीं, उसका वास्तविक जीवन शुरू नहीं। गुरु जीवन निर्माता होते हैं, सच्चे एवं शाश्वत सुख की प्राप्ति के प्रेरक एवं मार्गदर्शक होते हैं। आचार्य रामेश ज्ञान और क्रिया के अनुपम संगम हैं। मोक्ष मार्ग की साधना के सिद्धांतों को वे अपने जीवन में स्वयं उतारते हैं और फिर उनका उपदेश देते हैं। आचार्य रामेश का श्रद्धापूर्वक स्मरण सब संकटों से रक्षा करने वाला होता है, इसलिए पूरे भारत में हजारों श्रद्धालुजन प्रतिदिन रामेश चालीसा का पाठ करते हैं। श्रद्धापूर्वक गुरु को मानना हमारे जीवन की उन्नति के लिए आवश्यक है। उससे भी बढ़कर है गुरु की बात मानना।

साध्वी भाविताश्रीजी, प्रणामश्रीजी ने आचार्य रामेश के महान साधनामय जीवन के गुणगान किए। प्रवचन के पूर्व प्रारंभ में नवकार महामंत्र जाप के पश्चात आचार्य रामेश चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। समता महिला मंडल की मंत्री मोनिका रांका ने आई जैन – माई जैन' शिविर की जानकारी दी। पार्क वेस्ट संघ के मंत्री हंसराज गांधी ने संचालन किया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष चंदूलाल लुंकड़, वरिष्ठ श्रावक विजयराज गांधी, युवक मंडल के अध्यक्ष हितेषकुमार बोहरा, आचार्य रामेश सुवर्ण दीक्षा महत्तम महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक किशोरकुमार कर्णावट, समता प्रचार संघ कर्नाटक के सहसंयोजक दिलीप डागा आदि सहित बेंगलूरु के विभिन्न उपनगरों से अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

साध्वीश्री पावनप्रभा ने विधानसौधा का किया अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वीश्री पावनप्रभाजी, आत्मयशाजी, उन्नतयशाजी, रम्यप्रभाजी ने शुक्रवार को कर्नाटक विधानसौधा का अवलोकन किया। इस मौके पर कर्नाटक से राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया की विशेष उपस्थिति रही। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने लहरसिंह सिरोया को प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि आप जैन समाज के गौरव है, आप सदैव अपना स्वयं का एवं समाज का आध्यात्मिक विकास करते रहें। राजनीति में भी सदैव मूल्यों का स्थान रहे। राज्यसभा सांसद लहरसिंह ने विधानसौधा परिसर का भ्रमण कराते हुए साध्वियों को विभिन्न जानकारी प्रदान की। इस आयोजन के लिए मुख्य श्रम तेरापंथ ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष गौतमचंद मुथा एवं नरेंद्र मांडोत का रहा । सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सिरोया का सम्मान किया।

अमित शाह ने तमिलिसाई के पिता के निधन पर शोक जताया

चेन्नई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को यहां सालिग्रामम में स्थित भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन के आवास पहुंचे और उनके पिता कुमारी अनंतन के निधन पर उन्हें सांत्वना दी। अनंतन का नौ अप्रैल को निधन हो गया था। शहर के अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद शाह गिंडी में जिस होटल में ठहरे थे, वहां से डॉ तमिलिसाई के घर गए और उन्हें सांत्वना दी।

उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे कुमारी अनंतन की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की, जिनका 93 वर्ष की आयु में उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया था। अनंतन जीवन भर कांग्रेसी रहे, लेकिन उनकी बेटी तमिलिसाई छात्र जीवन से ही भाजपा की सदस्य रही हैं। शाह के अचानक वहां पहुंचने पर पूर्व राज्यपाल हैरान रह गईं। वह शाह का स्वागत करने के लिए अपने घर से बाहर निकल आईं।

अनंतन को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद, शाह ने तमिलिसाई के परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय बिताया और उन्हें सांत्वना दी। बाद में, पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने पहले उन्हें फोन कर संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की थी और अब आज व्यक्तिगत रूप से उनके घर पहुंचे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानवसेवा

बेंगलूरु के श्रीरामपुरम जैन नवयुवक मण्डल ने भगवान महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक के मौके पर मैसूर बैंक सर्कल एवं गणेश मंदिर के पास बस स्टेण्ड पर शीतल छाछ एवं पानी का वितरण किया। इस मानवसेवी कार्य में मंडल के पदाधिकारी, वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ व एवन्ता बाल मंडल के सदस्यों का सहयोग रहा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com